दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

# अमन लेखनी

ये बैड हैबिट्स होती हैं आंखों के लिए हार्मफुल

फिटनेस के लिए उपयोगी सूत्र

वर्ष : 12 अंक : 231 लखनऊ, 14 अगस्त, शुक्रवार 2026 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

## भारी शोर-शराबे के बीच लोकसभा लगभग 11:05 बजे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, एक अहंकारी नेता के कारण सत्र मजाक बनकर रह गया

### मानसून सत्र हंगामा, नारेबाजी के बीच समाप्त दोनों सदन स्थगित

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

भारी हंगामे और गतिरोध के बीच संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। भारी शोर-शराबे के बीच लोकसभा की कार्यवाही लगभग 11:05 बजे बेमियादी स्थगित कर दी गई। इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। इस पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने विपक्ष के नेता को दोषी ठहराया है।

### इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह भी मौजूद रहे

#### जिद्दी नेता की वजह मजाक बनकर रह गया पूरा महीना: गिरिराज

भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने भी संसद का कामकाज बाधित होने को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा, मैंने सुबह भी यह बात कही थी और अब फिर कह रहा हूं। एक अहंकारी और जिद्दी नेता की वजह से पूरा महीना मजाक बनकर रह गया। उन्होंने संसद में बंदर लाने को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वे संसद में बंदर ला रहे हैं। क्या यह बंदरों की टीम है? क्या वे मनोरंजन करने वाले हैं? कांग्रेस को इतनी गिरावट पर शर्म आनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि कोई भी सांसद मनोरंजन करने वाला नहीं हो सकता। लेकिन कांग्रेस ने संसद में सारी हदें पार कर दी हैं। कांग्रेस संसद को चलने नहीं देना चाहती। मैंअब फिर कह रहा हूं कि एक व्यक्ति के घमंड और जिद की वजह से, उसकी गलतफहमी और भ्रम के कारण जनता के सैकड़ों करोड़ रुपये बर्बाद हुए हैं।

संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू का विपक्ष पर हमला

#### चर्चा के हिसाब से सत्र अच्छा नहीं

केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सत्र समाप्त हो गया। कार्यसूची के लिहाज से यह सफल सत्र रहा, हमने 12 विधेयक पारित किए। चर्चा के लिहाज से यह उतना सफल नहीं रहा। विपक्षी दलों ने हंगामा किया और कई बार सदन से वॉकआउट भी किया।

### लोकसभा में 16 फीसदी हुआ कामकाज कांग्रेस के शासन में रहा इससे भी खराब

10 अगस्त तक लोकसभा सिर्फ 16 और राज्यसभा 31 फीसदी समय ही काम कर पाई। पीआरएस लेजेस्टिव रिसर्च के आंकड़ों से यह बात सामने आई है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। 2009 से संसद के सत्रों के आंकड़ों से पता चलता है कि पहले भी ऐसे मौके आए हैं, जब लोकसभा या राज्यसभा का काम इससे भी ज्यादा समय तक बाधित रहा है। इस दौरान 12 विधेयकों पर चर्चा और पारित किया गया। आखिरी दिन भी खान और खनिज संशोधन विधेयक को राज्यसभा से पारित कराया गया। लोकसभा में 11 विधेयक पारित कराए गए। इनमें सुप्रीम कोर्ट संशोधन विधेयक 2026 और सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक हैं।

### राहुल संसद में चर्चा से बचते हैं, विदेशों में राजनीतिक बयान देते हैं: शिक्षा मंत्री जोशी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राहुल गांधी पर संसदीय संस्थाओं की लगातार उपेक्षा का आरोप लगाया और कहा कि वे सदन में सार्थक चर्चा से बार-बार बचते हैं तथा विदेश की धरती पर राजनीतिक बयान देना पसंद करते हैं। राहुल की संसदीय संस्थाओं के प्रति लगातार उपेक्षा बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

#### राज्यसभा मे राधाकृष्णन ने जताया खेद

### उत्पादकता 39 प्रतिशत रही, 12 विधेयकों को रखा गया

राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने मानसून सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही में बार-बार हुए व्यवधान पर ''गहरी चिंता'' जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इससे सदन का कामकाज प्रभावित हुआ। इस दौरान राज्यसभा की उत्पादकता महज 39 प्रतिशत रही। हालांकि, व्यवधानों के बीच सदन ने 12 विधेयकों पर विचार किया और उन्हें पारित या वापस किया।

#### कांग्रेस का गृहमंत्री शाह पर हमला

### आज भी वंदे मातरम गाने आए थे: प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए संसद में उनकी अनुपस्थिति पर सवाल उठाया। प्रियंका ने कहा कि गृह मंत्री आखिरी दिन संसद पहुंचे और वे भी सिर्फ वंदे मातरम गाने के लिए। विपक्ष संसद से पीएम मोदी और अमित शाह की अनुपस्थिति पर सवाल उठा रहे थे।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने निवास पर हर घर तिरंगा अभियान में राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए।

नई दिल्ली। लाल किले के पास स्वतंत्रता दिवस की फुल-ड्रेस रिहर्सल के दौरान अधिकारियों ने तिरंगे को सलामी दी।

नई दिल्ली। भाजपा नेता बीएल संतोष 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए हैं।

## खबर संक्षेप

### राजस्थान में यूजीसी के नए नियमों का विरोध

जयपुर। राजस्थान में यूजीसी के नए नियमों और संशोधनों को लेकर हाल ही में जयपुर में भारी विरोध प्रदर्शन और आंदोलन देखने को मिले हैं। करणी सेना और विभिन्न संगठनों ने नए नियमों को वापस लेने की मांग की है। जयपुर में यूजीसी के नए दिशा-निर्देशों के विरोध में स्वर्ण समाज और करणी सेना का बड़ा महापड़ाव हुआ। इसे वापस लिया जाए।

### भाजपा नेत्री सरोज बैंक अकाउंट की डिटेल दें

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में पूर्व राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय के 2018 के राज्यसभा निर्वाचन को चुनौती वाली याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। उनके बैंक अकाउंट से जुड़ी जानकारी का मामला सामने आया। हाईकोर्ट ने डिटेल मांगने वाले आवेदन पर 2 हफ्ते में जवाब मांगा है। कांग्रेस प्रत्याशी रहे लेखराम साहू का आरोप है जानकारी छिपाई थी।

### डीयू छात्रसंघ चुनाव: 18 को वोटिंग, 19 को रिजल्ट

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव का बिगुल बज गया है। डूसू चुनाव इस बार 18 सितंबर को होगा, जबकि 19 सितंबर को मतगणना होगी। डीयू ने चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। नामांकन 10 सितंबर से शुरू होगा। नामांकन की अंतिम तारीख 10 सितंबर तय है। 500 का डिमांड ड्राफ्ट, शपथपत्र देना होगा।

### मदरसों में अनिवार्य करें टीईटी, अर्जी स्वीकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मदरसों और संस्कृत स्कूलों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम के दायरे में लाने की मांग उठी है। कोर्ट ने आरटीई की उन धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने के लिए सहमति दे दी है, जो अल्पसंख्यक स्कूलों, मदरसों और धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थानों को इस कानून के दायरे से बाहर रखती हैं।

## छात्रों का आंदोलन: झारखंड विधानसभा घेराव पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

# 100 नामजद व 500 अज्ञात पर एफआईआर एबीवीपी ने किया देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हुई झड़प के मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल करीब 100 लोगों को नामजद करते हुए 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। विधानसभा घेराव के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। दोनों पक्षों के बीच झड़प भी हुई। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू करते हुए वीडियो फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रदर्शनकारियों की पहचान की प्रक्रिया शुरू की है। प्राथमिकी में सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और उपद्रव समेत अन्य आरोपों को शामिल किया गया है। अज्ञात लोगों को भी मामले में आरोपी बनाया गया है। इस बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एबीवीपी) ने देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है।

### छात्रों से झड़प के बीच पुलिस ने कई धाराएं लगाई

#### एबीवीपी करेगी देशव्यापी प्रदर्शन

एबीवीपी ने देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान किया है। संगठन महामंत्री ने कहा कि झारखंड के छात्रों के मुद्दे को लेकर देशभर के 1,200 से अधिक विश्वविद्यालयों और प्रत्येक जिले में प्रदर्शन किए जाएंगे। एबीवीपी ने केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की है। संगठन के महासचिव ने रांची में कहा कि यदि सरकार सीबीआई जांच का आदेश नहीं देती है तो इससे यह संकेत जाएगा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भूमिका भी इन कथित अनियमितताओं में हो सकती है।

#### अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही

पुलिस अब प्रदर्शन के दौरान वीडियो, सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया पर उपलब्ध तस्वीरों के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। और लोगों के नाम जोड़े जा सकते हैं। छात्र संगठनों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा है कि वे अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे थे। छात्रों का आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बल प्रयोग किया।

#### कांके जाने वाली सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार

सुरक्षा व्यवस्था और बैरिकेडिंग का असर राजधानी की यातायात व्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। कांके की ओर जाने वाली सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार लग रही है। कई जगहों पर वाहन धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

#### छात्र ठोस निर्णय तक करेंगे आंदोलन

फिलहाल आंदोलनकारी छात्रों का कहना है कि जब तक जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच नहीं होती और उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों की प्रमुख मांगों में कथित परीक्षा अनियमितताओं की सीबीआई जांच और भर्ती प्रक्रिया में सुधार शामिल है।

#### छात्र मांगों को लेकर 20वें दिन भी अड़े रहे

### सीएम आवास की बढ़ाई सुरक्षा, कांके रोड पर लगा जाम

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन गुरुवार को 20वें दिन भी जारी है।

छात्र अपनी मांगों को लेकर धरना स्थल पर डटे हुए हैं। उठने को तैयार नहीं हैं। कई छात्र भूख हड़ताल पर भी बैठे हैं। लंबे समय से भूख हड़ताल के कारण कुछ छात्रों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके बावजूद आंदोलनकारी छात्रों का हौसला कम नहीं हुआ है और वे अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। लंबे समय से भूख हड़ताल पर बैठे कुछ छात्रों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

#### मुख्यमंत्री आवास की ओर कई जगह बैरिकेडिंग की

छात्रों के लगातार आंदोलन को देखते हुए प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। धरना स्थल से करीब ढाई किलोमीटर की दूरी पर स्थित मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। करीब 2 किलोमीटर के दायरे में विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती है, ताकि प्रदर्शनकारी इस ओर आगे न बढ़ सकें।

### राष्ट्रपति ने संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली। राष्ट्रपति ने नई दिल्ली में एक समारोह के दौरान उषा नांगियार को 2024-2025 के लिए संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और पुरस्कार दिए।

## कलाकार 'मिट्टी' की कथाओं का सांस्कृतिक महत्व प्रस्तुत कर रहे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रतिष्ठित कलाकारों को वर्ष 2024 और 2025 के लिए संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि आज सम्मानित किए गए कलाकार मिलकर भारत का एक ऐसा सांस्कृतिक मानचित्र प्रस्तुत करते हैं, जिसमें इस देश की मिट्टी की कथाएं और गीत जुड़े हैं। ऐसा मानचित्र जिसमें विविधता से भरी इस धरती के नृत्य और उत्सव समाए हैं और सदियों से विकसित हुई इसकी भाषाओं और बोलियों की बातें समाई हैं।

#### विविधता और एकता का संगम हमारी एक बड़ी शक्ति

उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति जड़ों से जुड़ी हुई है। अलग-अलग खान-पान, वेषभूषा, नृत्य और संगीत, प्रकृति से प्रेरित हैं। चहकते हुए चिड़ियों से, कल-कल बहते झरनों से, पेड़-पत्तों से, बादलों से, नदियों से प्रेरणा लेकर कलाकार अपने नृत्य और संगीत को प्रदर्शित करते हैं। विविधता और एकता का यह संगम हमारी कलाओं की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है।

#### कलाओं में जीवन का स्वाभाविक उल्लास दिखा

राष्ट्रपति ने कहा कि कला के संस्कार और समझ से जीवन को समृद्ध करने के लिए प्रकृति को सबसे सहज प्रशिक्षण संस्थान माना जाता है। लोक और जनजातीय कलाओं में जीवन का स्वाभाविक उल्लास और प्रकृति के साथ गहरा संवाद दिखाई देता हैं। इन कला में समुदाय की स्मृति और सामूहिक चेतना सहज रूप से व्यक्त होती है। लोक कलाएं भारत की सांस्कृतिक पहचान का अत्यंत महत्त्वपूर्ण आधार हैं।

#### कलाकार देश की सामूहिक स्मृति के संरक्षक और भविष्य की कल्पना के सृजक

इस दौरान राष्ट्रपति ने संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त करने वाले कलाकारों को बधाई दी और कहा कि भारतीय परंपरा के वाहक हमारे कलाकार देश की सामूहिक स्मृति के संरक्षक और भविष्य की कल्पना के सृजक हैं।

नेताजी का अपमान

## सीएम सुवेंदु ने अपने ही सांसद से वापस ले लिया बंग अवॉर्ड

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस के खिलाफ विवादित व कथित अपमानजनक टिप्पणी के बाद बंगाल की भाजपा सरकार ने अपनी ही पार्टी के राज्यसभा सदस्य व कूचबिहार के राजवंशी नेता नागेंद्र राय उर्फ अनंत महाराज के विरुद्ध बड़ा कदम उठाया है। सीएम सुवेंदु अधिकारी द्वारा पुलिस को इस मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश के अगले दिन राज्य सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए अनंत महाराज को दिया गया बंग विभूषण अवॉर्ड गुरुवार को वापस ले लिया।राज्य सचिवालय की ओर से जारी एक अधिसूचना में इसकी जानकारी दी गई। उन पर नेताजी के कथित अपमान का आरोप है। ममता बेनर्जी के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अनंत महाराज को इसी साल 21 फरवरी 2026 को यह अवॉर्ड प्रदान दिया था। आदेश में कहा गया है कि सम्मान प्रदान किए जाने के बाद कुछ गंभीर तथ्य सरकार के संज्ञान में आए हैं।

## गुजरात में 5 हफ्तों में 25 मौतें, रहस्य बना चांदीपुरा वायरस

# सैंडफ्लाई, मच्छर, टिक सबकी जांच भी निगेटिव

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

गुजरात में चांदीपुरा वायरस का प्रकोप लगातार चिंता बढ़ा रहा है। करीब 5सप्ताह में इस वायरस से 25 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि राज्य सरकार ने 39 बच्चों के संक्रमित होने की पुष्टि की है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि बड़े पैमाने पर जांच के बावजूद वैज्ञानिक अभी तक यह पता नहीं लगा पाए हैं कि मौजूदा संक्रमण का प्रसार किस वेक्टर या स्रोत से हो रहा है। 30 जून से शुरू हुए इस प्रकोप के बाद गुजरात में बड़े स्तर पर निगरानी और सैंपलिंग अभियान चलाया गया। सबसे पहले सैंडफ्लाई यानी बालू मक्खियों के सैंपल लिए गए, क्योंकि इन्हें चांदीपुरा वायरस का स्थापित वेक्टर माना जाता है। इसके बाद मच्छरों, टिक और माइट्स जैसे अन्य संभावित वाहकों की भी जांच शुरू की गई।

### अब तक सैंडफ्लाई के किसी सैंपल में वायरस नहीं मिला

#### गुजरात के साथ राजस्थान में भी मामले दिखे

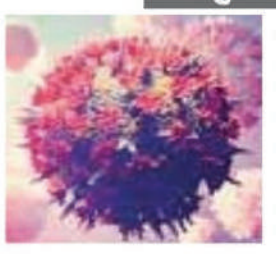

चांदीपुरा वायरस से संक्रमित पाए गए मरीज गुजरात के 12 और राजस्थान के 3 जिलों से हैं। गुजरात में पाटन जिले में सबसे ज्यादा 5 मामले सामने आए हैं, जबकि साबरकांठा में 4 मामले दर्ज किए गए हैं।मरीज अलग-अलग इलाकों में सामने आ रहे हैं और किसी एक स्थान पर मामलों का बड़ा क्लस्टर नहीं मिला है। पशुपालन विभाग के अनुसार कई इलाकों में केवल एक-एक मामला सामने आया है। ऐसे में किसी एक जगह बड़ी संख्या में संक्रमित वेक्टर मिलने की संभावना भी कम हो सकती है।

#### हजारों सैंपल में नहीं मिला वायरस

अब तक एक हजार से अधिक सैंडफ्लाई और दूसरे संभावित वेक्टर के सैंपलों में वायरस की मौजूदगी नहीं मिली है। यही स्थिति 2024 के प्रकोप के दौरान भी सामने आई थी। उस समय 78 बच्चों में चांदीपुरा वायरस जैसे लक्षण पाए गए थे और 28 बच्चों की मौत हुई थी, लेकिन जांच में भी किसी स्पेसिफिक वेक्टर की पहचान नहीं हो सकी थी।

#### वैज्ञानिक भी इससे चिंतित

सैंडफ्लाई को चांदीपुरा वायरस का प्रमुख वेक्टर माना जाता है। खासकर गुजरात में 2018 के प्रकोप के दौरान सैंडफ्लाई में वायरस की मौजूदगी के आर्णविक प्रमाण मिले थे। शोधकर्ताओं ने सर्जेंटोमिया प्रजाति की सैंडफ्लाई को संभावित वेक्टर बताया था। लेकिन मौजूदा प्रकोप में अब तक सैंडफ्लाई के किसी सैंपल में वायरस नहीं मिला है। वैज्ञानिक एडीस एजिप्टी और क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छरों को कारण मानते हैं, लेकिन इनके सैंपल भी निगेटिव आए हैं।

# युवाओं पर भरोसा, ऐश्वर्य राज सिंह को मिली यूपी की कमान

## राष्ट्रीय लोकदल प्रदेश मुख्यालय पर नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह का भव्य स्वागत

अमन लेखनी समाचार

**लखनऊ।** राष्ट्रीय लोकदल के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह के प्रथम लखनऊ आगमन पर गुरुवार को राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मुख्यालय में उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह द्वारा युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की नीति के तहत श्री ऐश्वर्य राज सिंह को उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद उनके लखनऊ आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

प्रदेश मुख्यालय पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया तथा पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। पूरा प्रदेश मुख्यालय चौधरी चरण सिंह अमर रहें, चौधरी अजित सिंह अमर रहें और जयंत चौधरी जिंदाबाद के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ ऐश्वर्य राज सिंह का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

इससे पूर्व ऐश्वर्य राज सिंह के लखनऊ आगमन पर चारबाग रेलवे स्टेशन से ही स्वागत कार्यक्रम की शुरूआत हो गई। चारबाग में अजय सिंह के नेतृत्व में महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं स्वागत किया गया। इसके बाद डॉ. शेखर के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। के.के.सी. विद्यालय के पास प्रोफेशनल मंच के प्रदेश अध्यक्ष श्री अम्बुज पटेल तथा सम्राट चौहान, राधेश्याम चौधरी और वाकस अहमद के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

इसके अलावा मातृभूमि से जुड़े शक्ति सिंह, ऋषभ सिंह, शुभम सिंह, विकास सिंह, सर्वेश सिंह, चित्रसेन सिंह, अफसर अली सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इसके बाद बलिंगटन चौराहा, विधानसभा स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा, सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा तथा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

स्वागत एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह ने उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि किसानों, नौजवानों, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों के हितों के लिए कार्य करने का अवसर है।

उन्होंने कहा कि उनके परिवार का राष्ट्रीय लोकदल और किसान राजनीति से पुराना एवं भावनात्मक जुड़ाव रहा है। उनकी दो पीढ़ियों का राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा से संबंध रहा है। उनके पिता स्वर्गीय राजा लक्ष्मेश्वर सिंह लोकदल से विधायक रहे और उन्होंने चौधरी अजित सिंह के साथ मिलकर पार्टी की विचारधारा एवं किसानों के हितों के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि इसी विरासत और विचारधारा को आगे बढ़ाना उनके लिए गौरव की बात है।

ऐश्वर्य राज सिंह ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के साथ-साथ महिलाओं की भागीदारी भी संगठन में बढ़ाई जाएगी। युवाओं, छात्रों, किसानों और महिलाओं को बड़ी संख्या में राष्ट्रीय लोकदल से जोड़कर संगठन को गांव-गांव और बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों, नौजवानों, महिलाओं, मजदूरों और समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज को मजबूती से उठाने वाली पार्टी है। पार्टी के संस्थापक चौधरी चरण सिंह की किसान और ग्रामीण

विकास की सोच तथा चौधरी अजित सिंह की सामाजिक सरोकारों की राजनीति को आगे बढ़ाते हुए चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा और नई दिशा दी जा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं के सम्मान और उनकी सक्रिय भागीदारी के साथ संगठन को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह की सोच और युवा-केंद्रित विचारधारा से प्रदेश में युवाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और वे पूरी ऊर्जा एवं निष्ठा के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल ने युवाओं पर भरोसा जताते हुए ऐश्वर्य राज सिंह को उत्तर प्रदेश की कमान सौंपी है। यह निर्णय संगठन में नई ऊर्जा और नई कार्यशैली को बढ़ावा देने वाला है। उन्होंने कहा कि दोनों युवा नेतृत्व मिलकर राष्ट्रीय लोकदल के संगठन को और अधिक सशक्त, मजबूत, सक्रिय और ऊजार्वान बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल का संगठन प्रदेश के प्रत्येक जिले, विधानसभा और बूथ तक मजबूत किया जाएगा। कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जाएगी तथा पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जाएगा।

पार्लियामेंट्री बोर्ड के सदस्य एवं राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने कहा कि ऐश्वर्य राज सिंह की नियुक्ति से उत्तर प्रदेश में संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह ने युवा नेतृत्व को जिम्मेदारी देकर संगठन को भविष्य की दिशा में आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। श्री दुबे ने कहा कि सभी कार्यकताओं और पदाधिकारियों को एकजुट होकर नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि गांव, किसान, नौजवान और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की विचारधारा और नीतियों को पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ऐश्वर्य राज सिंह को प्रदेश अध्यक्ष की नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में पार्टी संगठन और अधिक मजबूत एवं सक्रिय होगा। पार्लियामेंट्री बोर्ड के विशेष आमंत्रित सदस्य चन्द्रबली यादव ने कहा कि ऐश्वर्य राज सिंह के प्रदेश अध्यक्ष बनने से राष्ट्रीय लोकदल को उत्तर प्रदेश में नई ऊर्जा और नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि चौधरी जयंत सिंह ने युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने का जो निर्णय लिया है, उससे पार्टी के युवा कार्यकताओं में नया उत्साह पैदा हुआ है। श्री यादव ने कहा कि सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं को नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के साथ मिलकर संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए पूरी ताकत से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों, नौजवानों, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर राष्ट्रीय लोकदल को प्रदेश में और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण पटेल ने किया।

इस अवसर पर पार्लियामेंट्री बोर्ड के सदस्य एवं राष्ट्रीय महासचिव मुंशी राम पाल, पार्लियामेंट्री बोर्ड के सदस्य एवं राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे, राष्ट्रीय सदस्य कार्यकारिणी डॉ. सुरेश यादव, पार्लियामेंट्री बोर्ड के विशेष आमंत्रित सदस्य चन्द्रबली यादव, युवा रालोद के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह पटेल, एससी/एसटी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भगवती प्रसाद सूर्यवंशी, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष कर्नल ब्रह्म पाल तोमर, प्रोफेशनल मंच के प्रदेश अध्यक्ष अम्बुज पटेल, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेश पाल धनगर, छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष अमन पाण्डेय, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष चौधरी राम सिंह पटेल, डॉ. राघवेन्द्र सिंह, विवेक चौधरी, पी.के. पाठक, वरिष्ठ नेता वसीम हैदर, विश्वेशनाथ मिश्रा, रजनीकांत मिश्रा, बी.एल. प्रेमी, रामावती तिवारी, किरण सिंह, प्रीति श्रीवास्तव, विमलेश पाठक, आर.पी. सिंह चौहान, योगेंद्र चेयरमैन, अफसर अली, राघवेंद्र प्रताप, प्रमोद शुक्ला, अरुणेंद्र पटेल, चौधरी भूपाल सिंह, अजय सिंह, जिलाध्यक्ष सत्य प्रकाश तिवारी, मनोज बुधौलिया, अकील अहमद, डॉ. सत्येंद्र सिंह, रामसजीवन पटेल, अशोक तिवारी, सुजाता चौधरी, सीमाब अहमद, शिव प्रसाद द्विवेदी, बेलाल अहमद, विपिन सिंह, सुरेश यादव, महिपाल पटेल, राकेश सिंह, राघवेंद्र दुबे, निखिल जैन सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, क्षेत्रीय एवं जिला अध्यक्ष, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत को लेकर कार्यकताओं में विशेष उत्साह रहा। उन्होंने कहा कि ऐश्वर्य राज सिंह के नेतृत्व में संगठन में युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और राष्ट्रीय लोकदल को प्रदेश के प्रत्येक जिले, विधानसभा तथा बूथ स्तर तक मजबूत करने के अभियान को नई गति मिलेगी।

पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह दिखाई दिया। कार्यकताओं ने एकजुट होकर राष्ट्रीय लोकदल को उत्तर प्रदेश में और अधिक मजबूत बनाने तथा चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व में किसानों, युवाओं, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों के हितों के लिए मजबूती से कार्य करने का संकल्प लिया।

## दो मजदूरों ने संदिग्ध हालत में फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीती रात दो अलग-अलग स्थानों पर दो मजदूरों ने संदिग्ध हालत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक गुरुवार सुबह करीब 6 बजे थाना क्षेत्र के दरोगा खेड़ा स्थित आजाद विहार कॉलोनी फेस - 2 में एक व्यक्ति के फांसी लगाने की सूचना मिली। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने देखा तो थाना क्षेत्र स्थित दरोगा खेड़ा के पास आम की पेड़ की डाल से एक 40 वर्षीय व्यक्ति गले में गमछे के सहारे लटका मिला। पुलिस ने उसे नीचे उतारकर एंबुलेंस के जरिए सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत कर घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि मृतक के पास मिले फोन की सहायता से जब परिजनों से संपर्क किया गया तो उसकी पहचान उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना अंतर्गत बेलौरा गांव निवासी सुनील कुमार पुत्र स्वर्गीय रामनाथ के रूप में हुई। मृतक यहां किराए पर रहकर एक कंपनी में मजदूरी करता था। इसके अलावा तालकटोरा थाना अंतर्गत राजाजीपुरम झोपड़पट्टी में रहने वाला मोहित यादव (19) बीते कुछ दिनों से अपने पिता कल्लू के साथ सरोजनीनगर स्थित नादरगंज में किराए पर रहकर एक प्राइवेट कंपनी में मजदूरी करता था। बीती रात कल्लू काम से बाहर गए हुए थे। तभी मोहित ने कमरे के अंदर दरवाजा बंद कर पंखे के हुक से रस्सी के सहारे लटक कर आत्महत्या कर ली। परिजनों के मुताबिक मकान मालिक किसी काम से उसके कमरे की तरफ गए थे, तभी खिड़की के सामने मोहित को लटकता दे ख उन्होंने इसकी सूचना मृतक के भाई राहुल को दी। इसके बाद पहुंचे परिजनों ने दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा और इलाज के लिए लोक बंधु अस्पताल ले गए।

## एयरपोर्ट की सुरक्षा सख्त, यात्रियों और अन्य लोगों की गई जांच

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। इसको लेकर गुरुवार को सरोजनीनगर थाने की पुलिस और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की संयुक्त टीम ने डॉग स्क्वायड और बम डिस्पोजल स्क्वायड (बीडीएस) टीम के साथ एयरपोर्ट परिसर में सघन चेकिंग अभियान चलाया। अचानक हुई इस जांच से एयरपोर्ट परिसर में सुरक्षा

व्यवस्था पूरी तरह सतर्क नजर आई। चेकिंग अभियान के दौरान एयरपोर्ट परिसर में मौजूद यात्रियों और अन्य लोगों की जांच की गई। सुरक्षा टीमों ने यात्रियों के बैग और अन्य सामान को मेटल डिटेक्टर के जरिए बारीकी से जांचा। इसके साथ ही डॉग स्क्वायड की मदद से सामान और आसपास के स्थानों की भी जांच की गई। इस दौरान परिसर में कहीं कोई संदिग्ध या लावारिस वस्तु तो नहीं पड़ी है, इसकी भी सुरक्षा टीमों ने पड़ताल की। साथ ही पुलिस और सीआईएसएफ जवानों ने एयरपोर्ट परिसर में आने-जाने वाले वाहनों पर भी विशेष नजर रखी। सुरक्षा कर्मियों द्वारा वाहनों को रोककर उनकी सघन तलाशी ली गई और संदिग्ध गतिविधियों की जांच की गई। सुरक्षा कर्मियों ने एयरपोर्ट के विभिन्न हिस्सों में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया। बता दें कि स्वतंत्रता दिवस पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एयरपोर्ट सहित सार्वजनिक और महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा एजेंसियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में एयरपोर्ट पर लगातार निगरानी और चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस एवं सीआईएसएफ की टीमों ने यात्रियों से भी अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु को न छुएं और ऐसी वस्तु दिखाई देने पर तत्काल सुरक्षा कर्मियों को सूचना दें। सुरक्षा जांच के चलते एयरपोर्ट परिसर में आने-जाने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इस चेकिंग अभियान के दौरान सरोजनीनगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति सहित थाने के कई उप निरीक्षक, सिपाही और सीआईएसएफ के कई अधिकारी व जवान भी मौजूद रहे।

# लालच में अंधा बेटा! मृत पिता के शव से कागज पर लगवाया अंगूठा

## रहीमाबाद इलाके के खड़ौहा गांव का मामला, मौत के एक माह बाद वीडियो हुआ वायरल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पैतृक जमीन के लिए एक कलयुगी बेटे ने पिता की मौत के बाद सादे कागज पर उनके अंगूठे की छाप ले ली। ग्रामीणों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

### पिता ने किया था जायदाद से बेदखल

रहीमाबाद के खड़ौहा गांव निवासी छत्रपाल, उनकी पत्नी शिवदेवी का बेटे महेंद्र व बहू लक्ष्मी से विवाद चल रहा था। दोनों बुजुर्ग बेटे-बहू के व्यवहार

मृतक छत्रपाल फाइल फोटो

के चलते 2023 में पैतृक घर छोड़ कर लखनऊ के बुद्धेश्वर में बड़ी बेटी सुमन के साथ रहने लगे थे। छत्रपाल के पास साढ़े छः बीघा जमीन है। उन्होंने तीनों बेटियों को एक-एक बीघा जमीन देने की बात कही थी। बेटे-बहू

को संपत्ति से बेदखल करने की घोषणा भी की थी। बीती 9 जुलाई को हुई थी मौत सुमन ने बताया कि 7 जुलाई को पिता की तबीयत ज्यादा बिगड़ी तो भाई महेंद्र को सूचना दी। महेंद्र और उसकी पत्नी सुमन घर आए और इलाज की बात कहकर पिता जी को साथ ले गए। 9 जुलाई को उनकी मौत हो गई। जिसके बाद पिता का

### सादे कागज पर लिया निशान

परिजनों का आरोप है कि छत्रपाल की मौत के बाद भाई और कुछ लोगों ने मिलकर तीनों बहनों से गाली गलौज कर अभद्र व्यवहार किया। महेंद्र ने जमीन के कागज तैयार किए और उसके मृत शरीर से अंगूठे का निशान सादे कागज पर लगवाया। इसमें चचेरे भाई ने मदद की। किसी ने इसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। छत्रपाल की बेटियां भाई-भाभी की शिकायत करने की बात कह रहे हैं। वहीं, पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

## रहीमाबाद में निकली अखंड भारत संकल्प दिवस मशाल यात्रा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के तत्वावधान में गुरुवार शाम अखंड भारत संकल्प दिवस के अवसर पर मशाल यात्रा निकाली गई। राष्ट्र की एकता और अखंडता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित यात्रा में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। करीब आधा किलोमीटर लंबी यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र जय श्रीराम और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। मशाल यात्रा की शुरूआत लखनऊ-उन्नाव सीमा पर स्थित बेहता पुल से हुई। हाथों में जलती मशालें लेकर कार्यकर्ता औरास रोड होते हुए रहीमाबाद बड़े चौराहे पहुंचे। इसके बाद यात्रा ओवरब्रिज के नीचे पहुंची, जहां विधिवत समापन किया गया। पूरे रास्ते कार्यकताओं ने राष्ट्र की एकता और अखंडता का संदेश दिया। यात्रा का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद के

अखंड भारत मशाल यात्रा में शामिल लोग

रायबरेली विभाग प्रचारक भूपेंद्र हिंदू ने किया। उन्होंने कहा कि अखंड भारत संकल्प दिवस देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभावना को मजबूत करने का संकल्प है। भारत की एकता और अखंडता को प्रभावित करने वाली किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ यातायात को भी सुचारु बनाए रखा। इस मौके पर विहिप प्रखंड संयोजक अर्पित सोनी, आचार्य राम जी महाराज, अक्षत तिवारी, कृष्णा तिवारी, कुणाल सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। समापन पर कार्यकताओं ने राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया।

## विद्यार्थियों ने देशभक्ति नारों के साथ दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

- राजकीय इंटर कॉलेज, सिरौली गौसपुर, बाराबंकी में निकाली गयी हर घर तिरंगा रैली
- आज होगा दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

**लखनऊ।** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, लखनऊ द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज, सिरौली गौसपुर, बाराबंकी में भव्य स्वतंत्रता दिवस एवं हर घर तिरंगा तिरंगा विषयक रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अखंडता तथा तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल कुमार सरोज, उप जिलाधिकारी, सिरौली गौसपुर ने हरी झंडी दिखाकर

तिरंगा यात्रा को रवाना किया साथ में ग्राम प्रधान मैकुलाल कनौजिया मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारों के साथ लोगों को अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रीय गौरव और उत्साह के साथ मनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मैकुलाल कनौजिया, ग्राम प्रधान, विजय कृष्ण यादव, प्रधानाचार्य, प्रदीप महाजन, शिक्षक एवं राष्ट्रीय कवि, मनोज स्वतंत्र तथा राम अवतार सरोज, थानाध्यक्ष बदोसराय उपस्थित रहे।

अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को स्मरण किया तथा देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए युवा पीढ़ी को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि अनिल कुमार सरोज, उप जिलाधिकारी, सिरौली गौसपुर ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज हमारे गौरव, स्वाभिमान और स्वतंत्रता का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इस अभियान का संदेश अपने परिवार एवं समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्नोत्तरी में भाग लिया। प्रश्नोत्तरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति/सम्मान सामग्री देकर सम्मानित किया गया।

**आज होगा दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन :** इसी कड़ी में 14 अगस्त को राजकीय इंटर कॉलेज, सिरौली गौसपुर, बाराबंकी में दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन खाद्य एवं रसद विभाग के मंत्री सतीश चंद्र शर्मा द्वारा किया जाएगा। चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से देश की स्वतंत्रता यात्रा, स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों, राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता तथा देश की उपलब्धियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों को चित्रों एवं प्रदर्शनी सामग्री के माध्यम से आमजन और विद्यार्थियों तक पहुंचाया जाएगा।

## रिमोट सेंसिंग दिवस पर 80 मेधावी छात्रों को दिये गये पुरस्कार

अमन लेखनी समाचार

**लखनऊ।** रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेंटर, उत्तर प्रदेश एवं इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेन्सिंग लखनऊ चैप्टर द्वारा भारतीय अंतरिक्ष के जनक प्रो. विक्रम सारा भाई के जन्म दिवस पर रिमोट सेन्सिंग दिवस का आयोजन किया गया। रिमोट सेन्सिंग दिवस पर डा. एमएस यादव ने मुख्य अतिथि रमेश चन्द्र, विशेष सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, डा. एएन सिहं, पूर्व निदेशक एवं सभी छात्र-छात्राओं, अध्यापकों, का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने ₹आंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में उद्यमिता और स्टार्टअप' विषयक छात्रों द्वारा दिये गये भाषण की सराहना की।

मुख्य अतिथि रमेश चन्द्र, निदेशक, आरएसएसी द्वारा नेशनल रिमोट सेन्सिंग दिवस पर अगस्त माह को विज्ञान एवं देश के लिए महत्वपूर्ण बताया गया। उन्होंने बताया कि लक्ष्य प्राप्त करने के लिए स्वस्थ होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने सोशल मीडिया के ज्ञान को अधूरा

बताया। श्रम सही दिशा में करने पर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए श्रद्धा का भाव होना अति आवश्यक होता है। छात्र/छात्राओं को सही दिशा में प्रयास करने के लिए प्रेषित किया। अंत में बताया गया कि हम उस को बेहतर मानेंगें जिस दिन नासा स्वयं इसरों को आमंत्रित करे।

डा. एएन सिंह पूर्व निदेशक, एके अग्रवाल, अध्यक्ष सोसायट आरएसएसी, यूपी द्वारा भी स्पेस टेक्नोलॉजी के बारे में भी जानकारी दी। एके अग्रवाल, अध्यक्ष लखनऊ चैप्टर ने अवगत कराया कि आईएसआरएस लखनऊ चैप्टर को कोलकता में विगत वर्ष में बेस्ट चेप्टर का अवार्ड मिला है। सोसाइटी में जुड़ने के लिए सभी से आग्रह किया। मुख्य अतिथि रमेश चन्द, निदेशक, डा. एएन सिंह पूर्व निदेशक एके अग्रवाल, अध्यक्ष सोसायटी एवं डा. एमएस यादव, उपाध्यक्ष द्वारा स्कूली छात्र छात्राओं के लिए भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

भाषण प्रतियोगिता एवं क्विज में 13 विद्यालयों के लगभग 80 छात्रा-छात्रओं ने प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता में पायनियर मान्टेसरी इण्टर कालेज, जानकीपुरम का छात्र सिद्धान्त पाण्डेय ने प्रथम पुरस्कार, लखनऊ पब्लिक कालेज, आरएलबी मेमोरियल सेकेन्ड्री स्कूल विकास नगर की छात्रा इपशिता ने द्वितीय और तृतीय पुरस्कार सेंट मैरी इंटर कालेज की छात्रा अमृता, चतुर्थ पुरस्कार एमेटी इण्टर नेशनल स्कूल, वृन्दावन, लखनऊ की दिव्यांशी ने प्राप्त किया।

डा. एमएस यादव, उपाध्यक्ष ने छात्र छात्राओं को आह्वान किया कि सर्वप्रथम लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम एवं धैर्य से निश्चित रूप से सफलता प्राप्त की जा सकती है। स्कूली छात्र छात्राओं के लिए एक प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गयी। प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के समस्त सदस्य एवं आरएसएसी, यूपी के समस्त वैज्ञानिक एवं कार्मिक उपस्थित थे।

## संक्षेप

### मृत गोवंशीय पशु का विधि विधान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के कस्बा रसूलाबाद के मोहल्ला अशोक नगर निवासी अशोक गुप्ता की गाय की गुरुवार को अचानक मौत हो गयी थी जिस पर अशोक गुप्ता ने मरे हुए मवेशी को उठाने वाले को सूचना दी जिस पर मृत गाय को ठेलिया पर लादकर जंगलों में फेंकने जा रहे थे तभी इसकी सूचना बजरंग दल के तहसील अध्यक्ष विकास राजपूत को दी गयी मामले को गंभीरता से लेते हुए विकास राजपूत, राहुल राजपूत, सुशील राजपूत, ज्ञानेंद्र राजपूत, रौनक गुप्ता, रजेपाल के साथ रसूलाबाद महमूदपुर मार्ग पर पहुंचे और मृत गाय को अपने कब्जे में लेकर पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज रसूलाबाद अशोक कुमार सोनकर मय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जेसीबी मशीन को बुला कर गड्ढा खुदवा कर मृत गोवंशीय पशु का पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार करा दिया गया।

### मकानों के ऊपर से निकली ग्यारह हजार विद्युत लाइन ग्रामीणों ने अधिशाषी अभियंता को दिया प्रार्थना पत्र

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के चिलौली गांव के अवधेश ,महादेव,रामु सहित दर्जनों ग्रामीणों ने विधुत विभाग के अधिशाषी अभियंता को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि मेरे पूरे गांव में विधुतीकरण है , परन्तु अन्य गांव का रहने वाला व्यक्ति नन्द लाल जो गांव के दूसरे छोर पर जमीन खरीद कर खेती करता है ,उक्त व्यक्ति गांव के भीतर से ग्यारह हजार लाइन ले जाना चाहता है , पिछले सम्पूर्ण समाधान दिवस में हम लोगो ने अपनी समस्या जिला अधिकारी को बताई थी ,तब खम्बे व तार आदि गांव से हटाए गए थे ,परन्तु पैसो व सिफारिश की बदौलत पुनः गांव के ऊपर से ग्यारह हजार की लाइन ले जाना चाहता है ।ग्रामीण संजय महाबीर , अरविंद आदि ने बताया कि यदि घरो के ऊपर से विधुत लाइन गई तो हमेशा जान माल का खतरा बना रहेगा ,इसलिये ग्यारह हजार की लाइन गांव के बाहर से निकलवाई जानी जनहित के लिये हितकारी है ।

### एम्स रायबरेली में महिला की मौत गंभीर संक्रमण से

अस्पताल प्रशासन ने मल्टी-ऑर्गन फेलियर को बताया वजह, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

रायबरेली ,अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) परिसर स्थित वार्ड 6ऊ में बुधवार को एक 55 वर्षीय महिला मरीज की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद मरीज के परिजनों और अन्य लोगों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए एम्स प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया ।

# किसानों व मजदूरों की समस्याओं को लेकर ट्रैक्टर से निकाली तिरंगा यात्रा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने गुरुवार को किसानों और मजदूरों की समस्याओं को लेकर एक विशाल ट्रैक्टर तिरंगा रैली निकाली। रैली के बाद तहसील मुख्यालय पर एस डी एम बीघापुर आनंद नायक को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया।

रैली में किसान अपने ट्रैक्टरों पर तिरंगा और संगठन का झंडा लगाकर शामिल हुए। रैली दो अलग-अलग दिशाओं से शुरू हुई। एक जत्था संगठन के जिला उपाध्यक्ष ठाकुर मुन्ना सिंह देवारा के नेतृत्व में देवारा से चलकर दुगार्गंज, कुशहा, भाटन खेड़ा बिहार होते हुए तकिया मेला ग्राउंड पहुंचा, जबकि दूसरा समूह तहसील अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में इन्देमऊ से पाटन मेला ग्राउंड में एकत्रित हुआ। दोनों समूह मिलकर तहसील मुख्यालय पहुंचे।

यूनियन ने ज्ञापन की प्रमुख मांगों में ऋण संकट से आत्महत्या करने वाले किसानों के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता ,सभी श्रमिकों के लिए 42,000 रुपये प्रति माह का वैधानिक वेतन ,मनरेगा योजना के तहत काम की गारंटी को बढ़ाकर 200 दिन करने और न्यूनतम मजदूरी 700 रुपये प्रतिदिन तय करने ,कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले उर्वरक, ईंधन, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण लगाने, फसल और पशुधन बीमा योजना को सुचारु रूप से लागू करने तथा बाढ़ एवं सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं में किसानों को त्वरित राहत सुनिश्चित करने की भी अपील की।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से मुन्ना सिंह देवारा, राजेश सिंह, अजय बाजपेई, संजय रावत, मीना तिवारी, मंगली उमाशंकर, कौशल, फत्ते लाला, नकुल शर्मा और आशीष सिंह सहित सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

# स्टेडियम में रखे रखे सूख गए पौधे, जिम्मेदारों की लापरवाही से नहीं हो सका पौधरोपण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।बिछिया विकासखंड क्षेत्र के तौरा गांव में बने मिनी स्टेडियम खेल मैदान परिसर में रखे पौधे दो महीने से अधिक समय गुजरने के बावजूद जमीन में रोपे तक नहीं जा सके। अब ये पौधे जिम्मेदारों की लापरवाही की कहानी बयां कर रहे हैं।

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासन-प्रशासन की ओर से बड़े स्तर पर पौधरोपण और उनके संरक्षण का संदेश दिया गया था। केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से चलाए गए ह्यएक पेड़ मां के नामह्ल अभियान के जरिए भी लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक ने पौधरोपण को लेकर जागरूकता का संदेश दिया। लेकिन बिछिया विकासखंड के तौरा गांव में तस्वीर कुछ अलग ही नजर आ रही है। आरोप है कि गांव में तैनात जिम्मेदार सचिव की कथित लापरवाही के चलते स्टेडियम परिसर में रखे पौधों का समय से रोपण नहीं कराया गया। खुले में पड़े-पड़े इन पौधों को पर्याप्त पानी और संरक्षण नहीं मिला, जिसके चलते कई पौधे धीरे-धीरे सूख गए।

ग्रामीणों का सवाल है कि जब सरकार पौधरोपण पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है और पर्यावरण बचाने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं, तो लगाए जाने वाले पौधों को ही अगर सुरक्षित नहीं रखा जाएगा तो अभियान का उद्देश्य कैसे पूरा होगा ह्ल अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी मामले का संज्ञान लेते हैं या फिर सूख चुके पौधों की तरह यह मामला भी सरकारी फाइलों में दम तोड़ देता है ।जिम्मेदार लोगों की लापरवाही का शिकार हो गए पौधे,जिम्मेदार अंजान बने बैठे हैं।

बीडीओ फहद खान ने बताया कि इस प्रकरण की जानकारी नही पता करवाता हूँ।

# बाइक खड़ी कर युवक ने गंगा नदी मे लगाई छलांग तलाश जारी

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे गंगा पुल पर बाइक खड़ी कर गहरे पानी में छलांग लगाने की घटना से क्षेत्र में हड़कंप की स्थित बन गयी जिसके बाद घटनास्थल कानपुर क्षेत्र में होने के कारण बांगरमऊ प्रशाशन ने राहत की सांस ली घटना की सूचना पर अरौल थाना पुलिस ने खोजबीन कराई गुरुवार शाम तक युवक की तलाश जारी रही।

ज्ञात हो बांगरमऊ क्षेत्र के गांव सिरधर पुर निवासी 20 वर्षीय रोहित पुत्र जयबहादुर किसी तरह बाइक लेकर आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के गंगा पुल पहुंचा इस दौरान उसने बाइक किनारे खड़ी कर दी तथा गंगा पुल की रेलिंग से छलांग लगाने के लिए आगे बढ़ा इस दौरान कुछ ट्रक चालकों द्वारा आगे बढ़कर उसे रोकने का प्रयास किया गया किंतु कोई उसके नजदीक पहुंचता इससे पहले ही उसने गंगा की बहती जलधारा में छलांग लगा दी जिसका पता चलते ही क्षेत्र में हड़कंप की स्थित बन गई मौके पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया घटनास्थल कानपुर जनपद क्षेत्र होने के चलते युवक के चाचा राजबहादुर ने अरौल थाना पुलिस को सूचना तहरीर दी है किसी तरह स्टीमर आदि के माध्यम से युवक की खोजबीन जारी है किंतु गुरुवार शाम तक उसका कुछ पता नहीं चल सका है क्षेत्र निवासी युवक द्वारा गंगा में छलांग लगाने की घटना से क्षेत्र में चचाओं का दौर जारी है ।घटनास्थल पर गंगा का जलस्तर काफी गहरा व बहाव तेज है जिससे रेस्क्यू काफी मुश्किल बना हुआ है।

# मृतका के भाई ने ससुरालीजनो पर दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव दादामऊ निवासी शैलेंद्र कुमार की पत्नी साधना पांडे ने 16 जून को कुंडे से लटककर आत्महत्या कर ली थी ।पत्नी की मृत्यु की सूचना पर पानागढ़ पश्चिम बंगाल में सेना में सेवारत पति शैलेंद्र ने भी जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी ।घटना के दो माह बाद मृतका साधना पांडे के भाई अजय कुमार मिश्रा ने थाने में बहन के ससुराली जनों के ऊपर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है।

कानपुर जिले के जाजमऊ तिवारीपुर बगिया निवासी अनुज कुमार मिश्रा पुत्र अशोक कुमार ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उसने अपनी बहन साधना का विवाह 2 मई 2015 को कोतवाली क्षेत्र के दादामऊ निवासी शैलेंद्र कुमार पांडे पुत्र राजेंद्र कुमार के साथ किया था बहन के ससुर राजेंद्र कुमार पांडे, सास पुष्पा पांडे, ननद शालिनी, नंदोई अजय बाजपेई, छोटी ननद अलका, जेठ मनोज पांडे, जेठानी पूनम पांडे कुछ वर्षों से उसकी बहन को गांव आने पर उत्पीड़न करते थे ।बहन द्वारा अपने नाम से कानपुर में प्लाट खरीदे जाने के बाद ससुराल वाले काफी नाराज थे।मेरी बहन का ससुराल पक्ष के लोग उत्पीड़न करते थे जिसके चलते 16 जून को बहन साधना ने रात 8:00 फांसी लगा ली । पत्नी की आत्महत्या की सूचना पर बहनोई शैलेंद्र कुमार ने भी आर्मी ड्यूटी के दौरान पश्चिम बंगाल में आत्महत्या कर ली । कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार कटियार ने बताया कि भाई द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर 7 लोगों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया गया है जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी

# पड़ोसियों ने महिला व उसकी दो बेटियों को पीटा दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र के ग्राम महाराजपुर मजरे परसंडा निवासिनी माजिदा खातून पुत्री सदधीक अहमद ने तहरीर देकर बताया कि पड़ोसी की बेटी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था।जब वह शिकायत लेकर पड़ोसी गुलाम वारिस के दरवाजे पर पहुंचीं तब गुलाम वारिस, उसकी पत्नी खैरुन निशा, पुत्र इरशाद और बेटी मुन्नी ने मिलकर माजिदा खातून के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब उसकी बेटियां आयशा और कुरैशा बचाने दौड़ीं। दोनो बेटियों को उन लोगो ने पीटा व जान से मारने की धमकी दी। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

# जनप्रतिनिधियों ने भरा जोश कस्बे में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड कस्बे अंतर्गत आगामी स्वतंत्रता दिवस अमृत महोत्सव राष्ट्रीय महापर्व के चलते विशाल तिरंगा शोभायात्रा निकाली गई खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम अंतर्गत पहुंचे मुख्य अतिथि के रूप में बिंदकी विधायक जय कुमार सिंह जैकी तथा जहानाबाद विधायक राजेंद्र पटेल वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद ब्लॉक प्रमुख सुशीला सिंह ने हरी झंडी दिखाते हुए भव्य शोभा यात्रा का शुभारंभ किया कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ जनपद के विधायकों एवं ब्लाक प्रमुख सुशीला सिंह ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में देश के अमर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए जमकर जयघोष किया शोभायात्रा अमौली कस्बे की सभी प्रमुख गलियों में भ्रमण करते हुए विकासखंड मुख्यालय में समाप्त हुई जहां शोभा यात्रा के दौरान शिक्षा स्वास्थ्य बाल विकास एवं पुष्टाहार समेत अन्य सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं समूचे विकासखंड क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक क्षेत्रवासी मौजूद रहे

# शराब पीने से मना करने पर मामा भांजे पर लाठी डंडों से किया हमला

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में बुधवार की रात शराब पीने से मना करने पर मामा भांजे पर लाठी डंडे से हमला कर दिया जिससे दोनों गभींर रुपचकलवंशी। आसीवन थाना क्षेत्र में बुधवार की रात शराब पीने से मना करने पर मामा भांजे पर लाठी डंडे से हमला कर दिया जिससे दोनों गभींर रुप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने भांजे की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के आसीवन तरफ सिद्धनाथ गांव निवासी नन्हक्के 55 पुत्र स्व गुजान गोस्वामी की चाची जिनकी चार दिन पूर्व बीमारी से मौत हो गयी थी जिसका बुधवार को दसवां कार्यक्रम किया गया था वहीं रात करीब नौ बजे पड़ोसी युवक शराब लेकर आए और पीने लगे नन्हक्के से शराब पीने के लिए कहा तो नन्हक्के ने मना कर दिया इसी बात पर उक्त लोगों द्वारा गाली-गलौज किया जाने लगा जिसका विरोध करने पर लाठी-डंडे से पीटने लगे बचाने आए भांजे निरंकार (40) पुत्र सूबेदार को भी पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मियागंज सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टर ने भांजे की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है तहरीर मिलने पर जांच कराकर कार्यवाही की जाएगी। से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने भांजे की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के आसीवन तरफ सिद्धनाथ गांव निवासी नन्हक्के 55 पुत्र स्व गुजान गोस्वामी की चाची जिनकी चार दिन पूर्व बीमारी से मौत हो गयी थी जिसका बुधवार को दसवां कार्यक्रम किया गया था वहीं रात करीब नौ बजे पड़ोसी युवक शराब लेकर आए और पीने लगे नन्हक्के से शराब पीने के लिए कहा तो नन्हक्के ने मना कर दिया इसी बात पर उक्त लोगों द्वारा गाली-गलौज किया जाने लगा जिसका विरोध करने पर लाठी-डंडे से पीटने लगे बचाने आए भांजे निरंकार (40) पुत्र सूबेदार को भी पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने भांजे की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है तहरीर मिलने पर जांच कराकर कार्यवाही की जाएगी।

# 6 वर्षीय बेटे का हुआ अचानक खतना परिजन हैरान

### उपचार करते हुए चिकित्सकों ने बताया जांच का विषय

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद कस्बे अंतर्गत मोहल्ला विलास ऊपर कुदरत का एक अद्भुत करिश्मा देखने को मिला मोहल्ले के निवासी अल्ला रख्खा के 6 वर्षीय बेटे अनस का रात में सोते समय अचानक खतना हो गया रात में सो रहे बेटा दर्द के मारे तेजी से चीख पड़ा जहां परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे देखा कि वहां कोई मौजूद नहीं था फिर भी बेटे का मुस्लिम धर्म के अनुसार पूर्ण रूप से खतना हो चुका यह देख पूरा परिवार कुदरत के करिश्मे से हैरान हो गया परिजनों से जानकारी ली गई जहां मां शकीला ने बताया कि शाम समय विगत दिवस बुधवार सभी लोग भोजन के पश्चात सो गए वहीं देर रात लगभग 2:30 बजे बच्चे के रोने की आवाज आई उठकर जाकर देखा तो यह करिश्मा सामने आया वही बच्चे का अंडरवियर उतारा गया तो पूरी तरह से खून से लथपथ था और बच्चे का खतना हो चुका था यह चर्चा मोहल्ले तथा कस्बे में तेजी से फैल गई वहीं परिजन 6 वर्षीय बेटे को नजदीकी अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने बच्चे का उपचार किया कुदरत द्वारा की गई करिश्मा से परिजनों समेत सभी कस्बे वासी भी अचंभित हैं जबकि चिकित्सकों से जानकारी ली गई जहां चिकित्सकों ने बताया कि इस घटना की पुष्टि जांचों परांत ही हो सकती है

# अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर अधेड़ को किया घायल

### वाहन तथा वाहन चालक फरार प्रशासन कर रहा खोजबीन

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर , जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत घाटमपुर जाने वाले मुख्य मार्ग में चिल्ली मोड के समीप विगत दिवस बुधवार देर शाम एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को भीषण टक्कर मार दी टक्कर मारकर अज्ञात वाहन चालक वाहन लेकर फरार हो गया वहीं अचानक लगी टक्कर से बाइक सवार अधेड़ 50 वर्षीय पिंकू पुत्र मोहनलाल सचान निवासी गांव सवाईपुर थाना सजेती कानपुर नगर गंभीर रूप से घायल हुए आनन-फानन राहगीरों ने एंबुलेंस को सूचना देते हुए नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहानाबाद घायल अधेड़ को भेजा जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के पश्चात घायल की हालत गंभीर देखते हुए कानपुर हैलट के लिए रेफर कर दिया मिली जानकारी के अनुसार घायल पिंकू सचान मोटरसाइकिल से अपने गांव जा रहा था ठीक उसी समय जहानाबाद थाना क्षेत्र के चिल्ली मोड घनश्यामपुर गांव के समीप एक ढाबे के पास सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल में टक्कर मारकर फरार हो गया घटना की सूचना परिजनों को दी गई वहीं थाना प्रभारी योगेश कुमार ने बताया कि वाहन तथा वाहन चालक की तलाश जारी है

# टीचर बोलीं, हम नीच नहीं जो छेड़छाड़ का आरोप लगाएं

### शाहजहांपुर में बच्चों के घर पहुंचीं, बोलीं- गंदे बनकर स्कूल आते हैं, मैं क्लास बदलवा लूंगी

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,सरकारी स्कूल की असिस्टेंट टीचर का छात्राओं के घर जाकर विवाद करने का वीडियो सामने आया है। जिसमें टीचर छुट्टी के बाद बच्चों के घर जाकर परिजनों से बहस करती दिख रही हैं। वीडियो में टीचर परिजनों से पूछती हैं कि वे छह लड़कों को लेकर स्कूल क्यों आए ? परिजनों ने जवाब दिया कि वे केवल शिकायत करने गए थे। टीचर ने कहा- तुम्हारे घर के बच्चे गंदी हालत में आते हैं। परिजनों ने कहा कि तुमने छेड़छाड़ का झूठा मुकदमा लिखाने की धमकी दी थी। इस पर टीचर ने कहा कि हम नीच नहीं हैं, हो सकता है तुम नीच हो, जो ऐसा केस करवाओ। इस मामले में छात्राओं के परिवार और टीचर की तरफ से बुधवार को पुलिस को तहरीर दी गई। इस बीच ये वीडियो सामने आया है। जो 11 अगस्त का बताया जा रहा है। मामला तिलहर के खनपुरा प्राथमिक विद्यालय का है। दरअसल, बुधवार को नजरपुर गांव के रहने वाले वकील संतोष कुमार ने तिलहर थाने में तहरीर देकर बताया कि मेरी 3 भतीजियां खनपुरा प्राथमिक विद्यालय में क्लास- 4 में पढ़ती हैं। स्कूल की सहायक अध्यापिका प्रिया सिंह बच्चियों से सिर के जुएं दिखवाती हैं। विद्यालय में झाड़ू लगवाती हैं। अपने बच्चे को खिलाने के साथ उसका गंदा डायपर भी बदलवाती हैं। बच्चियों से गंदा कच्छा सुखाने के लिए डलवाया जाता है। इसके अलावा टीचर उनसे अपने पैर धुलवाती और दबवाती हैं। यह सब कई दिनों से चल रहा है। लेकिन अभी तक बच्चियों ने डर के कारण किसी को कुछ नहीं बताया था। क्योंकि टीचर ने उन्हें धमकी दी थी।

#### परिजन बोले- टीचर ने मुकदमे में फंसाने की धमकी दी

संतोष ने बताया- 11 अगस्त की दोपहर करीब डेढ़ बजे परिवार के लोग स्कूल पहुंचे। टीचर प्रिया सिंह से मामले को लेकर बात करना चाहा तो उन्होंने बदतमीजी की। छुट्टी के बाद वह घर पहुंच गईं और धमकी दी कि उनका कुछ नहीं होगा। परिवार को झूठे मुकदमे में फंसा दिया जाएगा। छात्राओं ने बताया - टीचर उन्हें 'चुड़ैल' कहकर बुलाती हैं। टीका लगाकर स्कूल आने पर भी उन्हें मना करती हैं। टीचर हम लोगों से जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल भी करती हैं। जब हम लोगों ने इस बात की घर पर शिकायत की तो टीचर हम लोगों से मारपीट करने लगीं।

## सम्पादकीय

# युवाओं के सब्र का इम्तिहान न लें सरकारें

नीट के बाद अब झारखंड की जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में सामने आ रहे विवादों ने देश की भर्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रांची में सोमवार को जो हुआ, वह केवल छात्रों और पुलिस के बीच टकराव की घटना नहीं है, बल्कि उस बढ़ते आक्रोश का संकेत है जो देश के युवाओं के भीतर लगातार जमा हो रहा है। झारखंड में हजारों छात्र पिछले 17 दिनों से परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे। जब उनकी आवाज नहीं सुनी गई तो सोमवार को वे विधानसभा घेराव के लिए पहुंच गए। बैरिकेडिंग टूटी, छात्र विधानसभा गेट तक पहुंचे, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़ी और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी स्थिति किसी के लिए भी संतोषजनक नहीं हो सकती। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर युवा सड़क पर उतरने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? प्रतियोगी परीक्षाएं उनके लिए महज एक परीक्षा नहीं होतीं। इनके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीदें, आर्थिक संघर्ष और बेहतर भविष्य का सपना जुड़ा होता है। जब परीक्षा में पेपर लीक, नकल, फर्जीवाड़े या धांधली के आरोप लगते हैं तो चोट केवल एक परीक्षा पर नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर युवाओं का भरोसा टूटता है। हर बार परीक्षा में धांधली के पीछे दो गंभीर आशंकाएं सामने आती हैं। पहली पैसे या प्रभाव के जरिए पेपर पास करवाना और नौकरी पाना। दूसरी, पैसे के दम पर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र या गोपनीय सामग्री तक पहुंच बनाने का खेल। इनमें सरकार के नुमाइंदों और जो एजेंसी पेपर करवा रही है, उसके अफसरों की मिलीभगत सामने आती है। कुल मिलाकर अफसर चंद रुपयों के लालच में युवाओं के भविष्य का सौदा कर बैठते हैं और छात्र आंदोलन को मजबूर होते हैं। यदि इन आशंकाओं में सच्चाई है तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ संगठित खिलवाड़ है। इसमें किसी भी स्तर पर अधिकारी, कर्मचारी, परीक्षा एजेंसी या बाहरी गिरोह की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जो भविष्य के लिए स्पष्ट संदेश बने। यदि छात्रों को परीक्षा में गड़बड़ी का संदेह है तो सरकार को उनके सामने जांच की प्रक्रिया, तथ्य और रिपोर्ट रखनी चाहिए। अगर आरोप गलत हैं तो प्रमाण के साथ स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए और अगर गड़बड़ी हुई है तो जिम्मेदार लोगों के नाम सामने आने चाहिए। सरकारों को भर्ती परीक्षाओं के लिए ऐसी पारदर्शी और सुरक्षित व्यवस्था बनानी होगी जिसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा कराने, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन और परिणाम जारी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही तय हो। संवेदनशील प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और एजेंसियों की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। सबसे जरूरी है कि छात्रों की शिकायतों को सुनने के लिए स्थायी संवाद तंत्र बनाया जाए। आंदोलन शुरू होने और विधानसभा घेराव की नौबत आने का इंतजार क्यों किया जाए? सरकारें समय रहते छात्रों के प्रतिनिधियों से बात करें और उनकी शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई करें। सरकारों को युवाओं के सब्र का इम्तिहान लेने के बजाय उनके भरोसे की परीक्षा पास करनी होगी। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और अधिकारियों की जवाबदेही ही वह रास्ता है, जिससे सड़कों पर उतरते युवाओं को फिर से किताबों और अपने भविष्य की ओर लौटाया जा सकता है।

सीमा विवाद

ओमकार चौधरी

भारत-चीन सीमा विवाद अब केवल जमीन और सीमा रेखा का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह नक्शों, नामों और ऐतिहासिक दावों की लड़ाई में बदल चुका है। चीन अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रों के नाम बदलकर उन्हें अपने नक्शों में शामिल करता रहा है। वहीं, भारत ने हर बार चीन के इन प्रयासों को खारिज किया है। अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 महत्वपूर्ण स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के मानक नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल किए हैं। यह कदम केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि चीन की नामकरण रणनीति का संस्थागत जवाब है। संदेश स्पष्ट है :- अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा।

# चीन को भारत का करारा जवाब

भारत-चीन सीमा विवाद दशकों पुराना है, लेकिन हाल के वर्षों में इसने एक नया आयाम ले लिया है। मानचित्रों और नामों की लड़ाई। चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रों के नाम बदलकर अपने नक्शों में शामिल करता रहा है, ताकि इस क्षेत्र पर अपने दावे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जा सके। भारत ने हर बार इसे सिरे से नकारा है और अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने राज्य के 27 स्थानों के नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल कर एक ठोस और संस्थागत जवाब दिया है। भारत-चीन सीमा विवाद की जड़ें अंग्रेजों के जमाने में जाती हैं। सन 1914 में शिमला सम्मेलन में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के प्रतिनिधियों के बीच एक सीमा रेखा तय की गई थी, जिसे मैकमोहन रेखा कहा जाता है। यह रेखा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र और तिब्बत के बीच की सीमा को परिभाषित करती है। भारत इस रेखा को अंतरराष्ट्रीय सीमा मानता है, जबकि चीन इसे कभी मान्यता नहीं देता । उसका तर्क है कि तिब्बत के पास उस समय स्वतंत्र रूप से समझौते करने का अधिकार नहीं था।

इसी असहमति के चलते 1962 में भारत और चीन के बीच युद्ध हुआ, जिसमें चीनी सेना ने अरुणाचल प्रदेश (तब नेफा यानी नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी) के कई हिस्सों में घुसपैठ की। थाग ला दर्रा इस युद्ध के शुरुआती संघर्ष स्थलों में से एक था, जबकि लोंग जू क्षेत्र में 1959 में ही, यानी युद्ध से तीन साल पहले, चीनी सैनिकों और भारतीय सुरक्षा बलों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी। युद्ध के बाद चीन ने कुछ इलाकों से पीछे हटने की घोषणा तो की, लेकिन सीमा विवाद कभी सुलझा नहीं। 1972 में नेफा को केंद्र शासित प्रदेश और फिर 1987 में पूर्ण राज्य का दर्जा देकर अरुणाचल प्रदेश बनाया गया, जो आज भारत के पूर्वोत्तर का एक अभिन्न राज्य है। चीन अरुणाचल प्रदेश को अपनी भाषा में 'जांगनान' यानी 'दक्षिण तिब्बत' कहता है और इसे तिब्बत का हिस्सा मानते हुए अपना दावा जताता है। चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताकर अपना दावा साबित करने की कोशिश करता रहा है, जिसे भारत दृढ़ता से खारिज करता रहा है। यही सोच नामकरण की रणनीति के पीछे भी काम करती है। जगहों को चीनी या तिब्बती नाम देकर यह दिखाने की कोशिश की जाती है कि इन क्षेत्रों पर चीन का प्रभाव रहा है। चीन ने पहली बार 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नाम बदले थे, और इसे तब दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा के विरोध के तौर पर देखा गया था। इसके बाद यह सिलसिला थमा नहीं। 2021 में चीन ने 15 स्थानों की एक और सूची जारी की, और 2023 में 11 और स्थानों के नाम बदले गए। इन नामकरणों में गांव, नदियां, पहाड़ और यहां तक कि आवासीय क्षेत्र तक शामिल किए गए हैं। हर बार जब यह सूचियां सामने आई, भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ा एतराज जताया। इस साल भी जब चीन ने एक बार फिर कुछ स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की, तो भारत ने तुरंत जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। भारत ने इसे एक शरारतपूर्ण प्रयास करार दिया और दोहराया कि इस तरह की कार्रवाइयां न तो जमीनी हकीकत बदल सकती हैं, न ही भारत की संप्रभुता पर कोई असर डाल सकती हैं। विश्लेषक इस पूरी प्रक्रिया को मानचित्रण संबंधी आक्रामकता यानी कार्टोग्राफिक

अग्रेशन कहते हैं। यह कोई नई रणनीति नहीं है। चीन 2017 से समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के लिए मानकीकृत नामों की सूचियां जारी करता रहा है। इसका मकसद सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि दस्तावेजों और मानचित्रों के जरिए धीरे-धीरे यह स्थापित करना है कि इन क्षेत्रों पर चीन का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अधिकार रहा है। इसी पृष्ठभूमि में भारत का हाल का कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं के मानक नामों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र में औपचारिक रूप से शामिल किया है। इस सूची में शामिल स्थानों में सामरिक और ऐतिहासिक महत्व साफ झलकता है ।

**लोंग जू :** यह वही क्षेत्र है जहां 1959 में भारत-चीन सैनिकों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी, और जो आज भी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब स्थित है। थाग ला दर्रा :1962 के युद्ध के शुरुआती संघर्षों का गवाह व सामरिक रूप से बेहद ऊंचाई पर स्थित महत्वपूर्ण दर्रा।

**जयरामपुर :** चांगलांग जिले में स्थित यह रसद केंद्र पूर्वी सीमा क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है और म्यांमा सीमा की ओर सुरक्षा बलों की आवाजाही में अहम भूमिका निभाता है।

**जसवंतगढ़ :** तवांग रोड पर स्थित यह स्थान भारतीय शहीद जसवंत सिंह रावत के स्मारक के लिए जाना जाता है, जिन्होंने 1962 के युद्ध में वीरता दिखाई थी।

**शेर-ए-थापा स्मारक :** 1962 के युद्ध के नायक त्रिलोक सिंह थापा की स्मृति में बनाया गया यह स्मारक भी इस सूची का हिस्सा है। इनके अलावा शंभू सरोवर, बड़ा और छोटा कुंडुन, धन बाड़ी, प्रीतनगर, तेरितनगर, रामनगर, सागर, पद्मा, ज्योतिनगर, बैसाखी, छोटा और बड़ा रोपुक, शिवाजी नगर, सुनपुरा, कमलांग नगर और बुद्ध मंदिर जैसे स्थान भी इस सूची में शामिल हैं। यह चुनाव आकस्मिक नहीं लगता। इनमें से अधिकांश स्थान सामरिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में हैं या 1959-1962 के संघर्षों से सीधा ऐतिहासिक संबंध रखते हैं। भारत का यह कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है ।

**कानूनी व प्रशासनिक स्पष्टता :** आधिकारिक मानचित्र में स्थानों को औपचारिक रूप से शामिल करने से सटीक भौगोलिक पहचान सुनिश्चित होती है, जिससे प्रशासनिक कामकाज व सुरक्षा तैनाती में स्पष्टता आती है।

**कूटनीतिक जवाब :** यह चीन की नामकरण रणनीति के जवाब में भारत का दस्तावेजी आधार तैयार करने जैसा है, ताकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष उतनी ही मजबूती से उठे, जितनी मजबूती से चीन दावा करता है।

**जन-जागरूकता :** इन स्थानों को आधिकारिक तौर पर चिह्नित करने से आम नागरिकों में इनकी अहमियत व भारत की संप्रभुता के प्रति जागरूकता बढ़ती है, खासकर उन स्थानों के मामले में जो 1962 और 1959 के संघर्षों से जुड़े हैं और शहीदों की स्मृति को संजोए हैं।

**ऐतिहासिक स्मृति को संरक्षित करना:** जसवंतगढ़ और शेर-ए-थापा स्मारक जैसे स्थानों को शामिल करना यह सुनिश्चित करता है कि 1962 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की वीरता की कहानियां आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचे। अरुणाचल प्रदेश को लेकर भारत-चीन विवाद केवल सीमा रेखा का मसला नहीं रह गया है। यह अब मानचित्रों, नामों और दस्तावेजों की एक लंबी लड़ाई बन चुका है। चीन जहां बार-बार नामकरण के जरिए अपने दावे को स्थापित करने की कोशिश करता रहा है, वहीं भारत ने भी अब यह स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मोर्चे पर पीछे नहीं हटेगा। 27 स्थानों का यह औपचारिक नामकरण केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि एक ठोस संदेश है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा पहले भी था, आज भी है, और भविष्य में भी रहेगा।

## विशेष

अनुभव शर्मा

# भगवान महादेव का प्रिय है विदेशी धतूरा

*धतूरैः पूजनं शंभोः सर्वकामफलप्रदम्।*
*विषनाशकरं चैव सर्वसौभाग्यवर्धनम्।*

(अर्थातः भगवान शिव का धतूरे के फूलों या फलों से पूजन करना सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाला, विष यानी नकारात्मकता और कष्टों का नाश करने वाला तथा समस्त सौभाग्य को बढ़ाने वाला होता है।)

भगवान शिव को धतूरा अर्पित करने का महात्म्य दर्शाने वाला यह प्राचीन श्लोक है। परंतु यह आश्चर्यजनक है कि महादेव का प्रिय धतूरा मूलतः भारतीय ही नहीं है, बल्कि यह प्रशांत महासागर के उस पार स्थित अमेरिका महाद्वीप के मैक्सिको की मूल प्रजाति है, जिसका वैज्ञानिक नाम डातुरा स्ट्रामोनियम है। पशुपति नाथ की सेंधव मुहरों से लेकर ऋग्वेद के रुद्र शिव तक भारत में शैव पूजा का हजारों वर्ष प्राचीन इतिहास है इसी कारण शिव आदिदेव भी कहे जाते हैं परन्तु धतूरे को वनस्पति शास्त्री मूलतः मेक्सिको का पौधा बताते हैं जो बाद में भारत पहुंचा, परन्तु प्रश्न है कब और कैसे। लगभग दो हजार वर्षों पहले इसका उल्लेख चरक संहिता में 'उन्मत्त' या 'धत्तूर' के रूप में मिलता है, जो इसे भ्रम पैदा करने वाली औषधि बताते हैं। वहीं, महर्षि सुश्रुत इसे कुत्तों के काटने से होने वाले रोग 'रेबीज' के उपचार में उपयोगी मानते हैं। वात्स्यायन के कामसूत्र के अनुसार, नागरक या शहरी लोग धतूरे को तांबूल (पान) के साथ मिलाकर एक सुगंधित लेप तैयार करते थे। महाकवि बाणभट्ट अपनी रचना 'हर्षचरित' में विंध्यांचल के वनों की आटविक (जंगली) जातियों द्वारा तंत्र में प्रयुक्त औषधि के रूप में इसका उल्लेख इस प्रकार करते हैं।

**उद्गत-धत्तूर-प्ररोह-संकुलैः, प्रगुणीकृत-शबर-पल्लव-कुटीरैः...**

(भावार्थः वह विंध्य के जंगल का क्षेत्र था, जो बाहर निकले हुए धतूरे के पौधों के अंकुरों से घिरे हुए थे और जहां शबरों जंगली जातियों की पत्तों से बनी कुटियाएं थीं।) चोल काल के प्रसिद्ध ऐरावतेश्वर मंदिर में भगवान शिव की कंकाल मूर्ति की जटाओं और आभूषणों में धतूरे के फूल का अंकन मिलता है। इन साक्ष्यों से यह जाहिर है कि धतूरा ईस्वी सन के आस-पास ही भारत भूमि में आ चुका था, जबकि इसके पहले वेदों, उपनिषदों या फिर सैन्धव सभ्यता में यह पूर्णतः अनुपस्थित मिलता है। प्रश्न यह है कि फिर यह आदिदेव शिव का प्रिय फूल कैसे हुआ? कोलम्बस की अमेरिका की खोज (1492 ईस्वी सन) के बाद ही 'नई दुनिया' की वनस्पतियां एशिया और यूरोप के संपर्क में आईं, जिसमें आलू, टमाटर, मिर्च, कद्दू से लेकर तंबाकू जैसी आज की प्रचलित किस्में शामिल हैं। फिर धतूरा ईस्वी सन की शुरुआत में भारत तक कैसे पहुंचा? क्या प्री-कोलम्बस काल में भी अमेरिकी महाद्वीप से भारतीय संपर्क हुआ था? यह इतिहास की अबूझ पहेली है। मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट के नवीन अनुसंधानों में यह साबित हुआ है कि ऑस्ट्रेलिया के मूल नेटिव आदिवासियों में लगभग 4000 साल पहले भारतीय डीएनए पाए गए हैं, जो द्रविड़ एवं तटीय भारतीय व्यापारिक संबंधों की पुष्टि करते हैं, परंतु मैक्सिको के संदर्भ में ऐसे किसी भी आदान-प्रदान के साक्ष्य कोलम्बस से पहले नहीं मिलते। हालांकि, ऐसी विकास अवधारणाओं को 'अभिसारी विकास' के रूप में भी देखा जाता है। जब अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले जीवों या पौधों को पर्यावरण, जलवायु या जीवनशैली की लगभग एक जैसी चुनौतियां मिलती हैं, तो प्रकृति उन्हें जीवित रहने के लिए समान शारीरिक या जैविक रूप ढालने पर मजबूर कर देती है। पौराणिक कथाओं में समुद्र मंथन से निकले विष पान के कारण भगवान शिव को 'नीलकंठ' कहा गया है। कालकूट विष की उष्णता इतनी अधिक थी कि देवताओं और ऋषियों ने शिवजी की इस महापीड़ा को शांत करने के लिए उन्हें ठंडी प्रकृति वाली और विष का प्रभाव काटने वाली औषधियां अर्पित कीं। कालकूट विष के प्रचंड ताप से पीड़ित शिवजी की पीड़ा को शांत करने में धतूरे ने अपनी मुख्य भूमिका निभाई, इसलिए भगवान शिव को धतूरा अतिप्रिय माना गया है। हैरत की बात यह है कि धतूरे की तरह ही पीला कनेर का फूल भी मैक्सिको से पुर्तगालियों द्वारा पंद्रहवीं सदी में ही आया था (हालांकि सफेद कनेर भारत में पहले से होता था

# माता-पिता के अपमान को भगवान भी माफ नहीं करते

संकलित

दर्शन

चाणक्य ने अपनी नीतियों में एक ऐसे काम का जिक्र किया है जिसे महापाप की श्रेष्ठ में रखा गया है और इस कार्य को करने वालों को भगवान कभी भी माफ नहीं करते हैं। चाणक्य नीति अनुसार व्यक्ति के शब्द बहुत महत्वपूर्ण होते हैं शब्द ही ऐसी चीज है जो बिना हथियार के ही दूसरों को घायल कर सकते है। इसलिए चाणक्य कहते हैं जो लोग ईश्वर स्वरूप माता पिता को अपशब्द बोलकर उनका अपमान करते हैं ऐसे लोगों को भगवान कभी माफ नहीं करते है यह ऐसी गलती है जो महापाप की श्रेष्ठी में आती है। माता पिता को अपशब्द कहने वाले लोगों को हर ओर से कष्ट उठाना पड़ता है ऐसे लोगों को माता पिता भले ही माफ कर दें लेकिन ईश्वर इन्हें कभी माफ नहीं करता है। माता पिता को अपशब्द कहना ही जीवन में सबसे बड़ा महापाप है। चाणक्य की मानें तो जो लोग माता पिता का दुख तोड़ते हैं उन्हें भला बुरा कहते हैं ऐसे लोगों को ईश्वर कभी क्षमा नहीं करता है बल्कि इन्हें कष्ट उठाना पड़ता है। इसलिए कहा जाता है कि माता पिता को हमेशा खुश रखना चाहिए। ऐसा कोई भी काम नहीं करना चाहिए जिससे उनके दिल को ठेस पहुंचे। इस संसार में माता-पिता का ऋण कोई भी नहीं चुका सकता।

# गुरु के बिना जीवन में प्रगति संभव नहीं

संकलित

प्रेरणा

एक बल्ब के भीतर तंतु (फिलामेंट) पहले से ही विद्यमान होता है। उसे केवल विद्युत प्रवाह की आवश्यकता होती है और वह प्रकाशमान हो उठता है। ठीक उसी प्रकार गुरु की उपस्थिति ही मनुष्य को अपने इस वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है। यदि जीवन में उच्चतर चेतना, उत्कृष्टता और आत्मोन्नति प्राप्त करनी है, तो गुरु का होना अनिवार्य है। गुरु के बिना वास्तविक प्रगति संभव नहीं। जीवन में जो बातें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं, उनके लिए भी हम मार्गदर्शक की आवश्यकता सहज स्वीकार करते हैं। वाहन चलाना सीखने के लिए प्रशिक्षक चाहिए, किसी विषय में दुर्बलता हो तो शिक्षक या कोच की आवश्यकता पड़ती है। जब दृश्य जगत की छोटी-छोटी बातों के लिए भी मार्गदर्शक आवश्यक है, तब उस अदृश्य, सूक्ष्म और अव्यक्त सत्य की अनुभूति के लिए गुरु का महत्त्व कितना अधिक होगा। गुरु के बिना आत्मसाक्षात्कार अत्यंत कठिन प्रतीत होता है और गुरु के बिना ध्यान की गहराइयों तक पहुंचना भी सहज नहीं होता। क्या आप जानते हैं कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षा के लिए महर्षि सांदीपनि का आश्रय ग्रहण किया था? भगवान श्रीराम ने भी महर्षि वशिष्ठ से जीवन का गहन ज्ञान प्राप्त किया। जब स्वयं अवतार पुरुषों ने गुरु की शरण ग्रहण की, तब सामान्य मनुष्य के लिए गुरु की आवश्यकता कितनी स्वाभाविक है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यदि मानव जाति को आगे बढ़ना है, तो उसे इस प्राचीन ज्ञान-परंपरा को अपने साथ लेकर चलना होगा।

## सटाका

## आज की पाती

### लोगों में धन की भूख बढ़ी

आज भौतिकवादी और आधुनिक युग में कुछ लोगों को धन की इतनी भूख बढ़ रही है कि वो इसे पाने के लिए किसी भी हद तक गिर रहे हैं। स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने कहा है कि, धन एक वस्तु है जो ईमानदारी और न्याय से कमाई जाती है, और इसके विपरीत है अधर्म का खजाना। लेकिन आज बहुत से लोग अमीर बनने के चक्कर में बेईमानी, हेराफेरी, अनैतिकता की राह पर चल पड़ते हैं। ऐसे लोग यह भूल जाते हैं कि गलत तरीकों से कमाई धन-दौलत ज्यादा दिन सुख नहीं दे सकती। कहते हैं कि जैसा खाओ अन्न वैसा हो मन। अगर हम बेईमानी कि कमाई से अन्न खरीद कर खाएंगे या अपने परिवार को खिलाएंगे तो क्या वो अन्न हमारे या हमारे परिवार के लिए उचित भोजन होगा? शायद नहीं। पाप की कमाई से अगर बच्चों का पालन-पोषण किया जाए तो इससे बच्चे पथभ्रष्ट ही होंगे।- *विजय कुमार, सोनीपत*

## ट्रेंड

### कोई गोली नहीं चली

जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली। राहुल गांधी झूठ फैला रहे हैं। गृहमंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार। अमित शाह सदन में विस्तार से जवाब देंगे, लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। -**जेपी नड्डा**, केंद्रीय मंत्री

### विपक्ष की तीन मांगें

विपक्ष की तीन प्रमुख मांगें हैं। पहली- जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। दूसरी-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना के लिए माफी मांगें और तीसरी- राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर संसद में चर्चा की जाए, सरकार दोषियों को न बचाए।

-**राहुल गांधी**, नेता विपक्ष

### संसद चले

अगर केंद्रीय गृह मंत्री जंतर-मंतर पर हुई घटना या वहां हुए विरोध-प्रदर्शन से निपटने के दौरान हुई घटनाओं के बारे में सदन में सवालों का जवाब देते हैं और इससे संसद का कामकाज फिर से शुरू हो जाता है, तो यह अच्छी बात है। लोग चाहते हैं कि संसद चले। संसद चलाने में बहुत पैसा खर्च होता है। -**उमर अब्दुल्ला**, सीएम, जम्मू-कश्मीर

### वीबी-जी रामजी में सुधार करें

एक जुलाई से मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की जगह ले चुकी वीबी-जी रामजी योजना अपने पहले ही महीने में बुरी तरह फेल साबित हुई है। केंद्र सरकार योजना की खामियों को दूर करे व लोगों को राहत दे।

-**अशोक गहलोत**, पूर्व सीएम, राजस्थान

## करंट अफेयर

# प्लास्टिक को भी चट कर जाएगा पाक में मिला फंगस

दुनिया भर में प्लास्टिक कचरे की बढ़ती समस्या के बीच पाकिस्तान के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोज की है जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। राजधानी इस्लामाबाद के एक नगरपालिका कचरा निपटान स्थल की मिट्टी से अलग किए गए एक अनोखे फंगस एस्परगिलस ट्यूबिंगेंसिस ने पॉलिएस्टर पॉलीयुरेथेन नामक अत्यंत टिकाऊ प्लास्टिक को तोड़ने की क्षमता दिखाई है। यह प्लास्टिक सिंथेटिक लेदर, कोटिंग्स, कुशन, इन्सुलेशन सामग्री और कई औद्योगिक उत्पादों में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है और आम वातावरण में आसानी से नष्ट नहीं होता।

## ऑफ बीट

# कुंडेश्वर धाम में 5000 साल पुराना शिवलिंग

बुंदेलखंड की काशी कहे जाने वाले शिव धाम कुंडेश्वर में भगवान भोलेनाथ का स्वयंभू शिवलिंग है। यह शिवलिंग करीब 5000 साल पुराना बताया जाता है। द्वापर युग में बाणासुर की पुत्री ऊषा ने यहां भगवान शिव की तपस्या की थी। वर्तमान में किंवदंती है कि ऊषा आज भी भगवान शिव को जल अर्पित करने आती है। मगर उन्हें कोई देख नहीं पाता है। कुंडेश्वर स्थित देवादिदेव महादेव आज भी शाश्वत और सत्य है, इसका जीता जागता प्रमाण स्वयं प्रतिवर्ष चावल के बराबर बढ़ने वाला शिवलिंग है। क्यों कहा जाने लगा कुंडेश्वर- बताया जाता है कि कुंडेश्वर का इतिहास बहुत पुराना है, लेकिन इसके बारे में स्पष्ट जानकारी नही है।

## संक्षेप

### आत्मदाह की धमकी देते डीएम कार्यालय पहुंची महिला

**जर्जर मकान के निर्माण में बाधा का आरोप, डीएम ने दिए जांच के निर्देश**

अमेठी , दोपहर करीब 1 बजे एक महिला अपने बच्चों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची और जर्जर मकान के निर्माण में बाधा डाले जाने का आरोप लगाते हुए आत्मदाह की धमकी दी। महिला के पेट्रोल लेकर पहुंचने की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी सक्रिय हो गए। अधिकारियों ने महिला को समझाकर शांत कराया और उसकी शिकायत जिलाधिकारी के सामने रखी। 50 साल पुराना मकान हुआ जर्जरमहिला ने बताया कि संग्रामपुर के सोनारी कला पलए गांव में उसका करीब 50 साल पुराना मकान है। बारिश के चलते मकान की हालत बेहद जर्जर हो चुकी है और उसके कभी भी गिरने का खतरा बना हुआ है। परिवार के पास रहने के लिए कोई दूसरा ठिकाना नहीं है। ऐसे में वह पुराने मकान को गिराकर उसी जगह नया निर्माण कराना चाहती है। गांव के व्यक्ति पर निर्माण रोकने का आरोप महिला का आरोप है कि गांव का ही एक व्यक्ति उसके मकान के निर्माण में लगातार बाधा डाल रहा है। विरोध करने पर वह मारपीट पर उतारू हो जाता है। महिला ने प्रशासन से मामले की जांच कराकर निर्माण कार्य में आ रही बाधा दूर कराने की मांग की। पेट्रोल लेकर पहुंचे व्यक्ति के जाने की भी जानकारी महिला के साथ एक व्यक्ति के भी पेट्रोल लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचने की जानकारी मिली। हालांकि, अधिकारियों के पहुंचने से पहले वह वहां से चला गया। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने महिला को समझाया और उसकी शिकायत पर कार्रवाई का भरोसा दिया। थाना प्रभारी को जांच के निर्देश मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संग्रामपुर थाना प्रभारी को जांच कर तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए। प्रशासन से कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद महिला अपने बच्चों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय से लौट गई।

### जगदीशपुर बाजार की सड़क जर्जर

**आए दिन हो रहे हादसे, राहगीरों को हो रही परेशानी**

अमेठी, जगदीशपुर मुख्य बाजार की सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। इस सड़क पर आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं और वाहनों के पलटने की घटनाएं भी आम हो गई हैं।यह मार्ग अयोध्या, कुमारगंज, सुल्तानपुर के साथ लखनऊ और रायबरेली राजमार्गों को जोड़ता है, जिससे यहां प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। स्थानीय लोगों और राहगीरों को इस खराब सड़क के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग न सिर्फ गिरकर चोटिल होते हैं, बल्कि उनके कपड़े भी खराब हो जाते हैं। कई बार वाहन भी पलट जाते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।सड़क की मरम्मत और सुधारीकरण की मांगस्थानीय निवासी मोहम्मद इमरान बताते हैं कि सड़क की हालत इतनी खराब है कि इस सरकार में इसके बनने की उम्मीद कम ही लगती है।

# 40 साल से बसे परिवारों के मकानों पर चला बुलडोजर, ग्रामीणों में आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। विकासखंड नवाबगंज की ग्राम पंचायत भगवानपुर करिंगा के मजरा बगौरा गांव में गुरुवार को खलिहान की जमीन पर बने मकानों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की। तहसीलदार नानपारा विकास कुमार की अगुवाई में पहुंची राजस्व टीम ने छह मकानों में से दो मकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए रूपईडीहा पुलिस और एसएसबी के जवान भी मौजूद रहे। तहसीलदार विकास कुमार ने बताया कि संबंधित भूमि राजस्व अभिलेखों में श्रेणी-6 खलिहान के रूप में दर्ज है। इस भूमि पर छह लोगों द्वारा मकान बनाए जाने की जानकारी मिलने पर संबंधित लोगों को पूर्व में नोटिस जारी कर भूमि खाली करने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय में मकान नहीं हटाए जाने पर उपजिलाधिकारी नानपारा के आदेश के क्रम में गुरुवार को दो मकानों को ध्वस्त कराया गयाप्रशासन की कार्रवाई के दौरान रज्जब अली और कादिर अली के मकानों को बुलडोजर से गिराया गया। वहीं सांतराम, अजीज, शमी और इलियास के मकानों पर अभी कार्रवाई नहीं की गई है।

### 40 वर्षों से रह रहे थे, कार्रवाई पर परिवारों में आक्रोश

मकान ध्वस्त किए जाने के बाद प्रभावित परिवारों में आक्रोश और मायूसी दिखाई दी। मकान स्वामी रज्जब अली ने बताया कि उनका परिवार करीब 40 वर्षों से यहां मकान बनाकर रह रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले यह जानकारी नहीं थी कि जिस जमीन पर उनका मकान बना है, वह खलिहान के रूप में दर्ज है। नोटिस मिलने के बाद उन्हें इसकी जानकारी हुई। रज्जब अली का कहना है कि उनका एक अन्य मकान भी बताया जा रहा है, लेकिन वह मकान उनके पिता ने उनकी बहन और बहनोई को दे दिया था। उनका कहना है कि उक्त मकान अब उनके स्वामित्व में नहीं है, फिर भी इसी आधार पर उनके मकान को गिराया गया। मकान टूटने के बाद परिवार की महिलाएं और अन्य सदस्य रोते-बिलखते नजर आए। प्रभावित परिवारों का कहना था कि जब वे करीब 40 वर्षों से यहां रह रहे थे, तब प्रशासन ने उन्हें नहीं हटाया। जब मकान कच्चे थे, तब भी कार्रवाई नहीं हुई। अब मेहनत-मजदूरी कर एक-एक पाई जोड़कर पक्के मकान बनाए गए तो उन पर बुलडोजर चला दिया गया। ग्रामीणों में इस बात को लेकर भी नाराजगी देखी गई कि यदि छह मकान अवैध बताए जा रहे हैं तो कार्रवाई केवल दो मकानों पर ही क्यों की गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले में स्पष्टता की मांग की।

### राजस्व टीम के साथ पुलिस और एसएसबी रही मौजूद

कार्रवाई के दौरान तहसीलदार नानपारा विकास कुमार, नायब तहसीलदार हर्षित पाण्डेय, नायब तहसीलदार शैलेश अवस्थी, कानूनगो राम नरेश, कानूनगो विश्वनाथ मौर्य, लेखपाल करुणेश त्रिपाठी, अमन व शिवकुमार सहित राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए रूपईडीहा पुलिस और एसएसबी के जवान तैनात रहे।

# महिला सशक्तिकरण की दिशा में नारी विकास केन्द्र की नई पहल, मनोपरामर्श सेवा का शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। नेपालगंज स्थित नारी विकास केन्द्र की 51वीं वार्षिक साधारण सभा अध्यक्ष एवं लुम्बिनी प्रदेश सभा सांसद मीना श्रेष्ठ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सभा में केन्द्र की वर्षभर की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई।सह-सचिव सपना राणा ने बताया कि केन्द्र पिछले 51 वर्षों से महिलाओं को विभिन्न रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहा है। केन्द्र की ओर से सिलाई-कटाई, ब्युटिसियन, अचार बनाने, कागज की धूप बनाने सहित विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं। इसके साथ ही महिला स्वास्थ्य, अधिकार, लैंगिक हिंसा और मानव बेचबिखन के खिलाफ भी जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए।आगामी वर्ष में महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला उद्यमिता और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर कार्यक्रम संचालित करने की योजना बनाई गई है।

### महिलाओं के लिए मनोपरामर्श सेवा शुरू

साधारण सभा के अवसर पर महिलाओं के लिए मनोपरामर्श सेवा का भी शुभारंभ किया गया। अध्यक्ष मीना श्रेष्ठएवं वरिष्ठ समाजसेवी शान्ति श्रेष्ठ ने रिबन काटकर सेवा का उद्घाटन किया। कार्यवाहक अध्यक्ष शीला शाह ने बताया कि केन्द्र के परामर्शदाता नौसाद नाज अन्सारी द्वारा नियमित मनोपरामर्श सेवा प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर केन्द्र के नए सलाहकार पूर्ण लाल चुके और दुर्गा खड्का तथा नए सदस्यों नौसाद नाज अन्सारी और कमला चौधरी का खादा ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

# यूपीएस बनकुरी में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

**र घर तिरंगा अभियान के तहत छात्रों ने निकाली रैली**

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। विकास खंड नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत बनकुरी स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय बनकुरी में गुरूवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत बच्चों द्वारा एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, अभिभावक, रसोइया और शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।हाथों में तिरंगा लिए बच्चों ने जय हिंद,वंदे मातरम, भारत माता की जय और देशभक्ति के नारे लगाए।यह यात्रा विद्यालय परिसर और आसपास से होकर गुजरी, जिससे गांव में देशभक्ति का माहौल बना।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक शमीम अहमद ने बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के महत्व के बारे में जानकारी दी। तिरंगा यात्रा के दौरान विद्यालय के शिक्षक गोपेश यादव, शाकिर अली, वचन सिंह, कोपिन, पवन शुक्ला सहित बच्चों के साथ ग्रामवासी मौजूद रहे

# शिक्षकों व नौनिहालों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने उठाई आवाज, बीडीओ व बीईओ को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच।परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा, स्वच्छ वातावरण तथा शिक्षकों की व्यावहारिक समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ नवाबगंज इकाई ने आवाज बुलंद की है। ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद कुमार वर्मा के नेतृत्व में महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को खंड विकास अधिकारी दीपेंद्र पांडे तथा खंड शिक्षा अधिकारी राधेश्याम वर्मा को दो अलग-अलग ज्ञापन सौंपे।खंड विकास अधिकारी दीपेंद्र पांडे को ज्ञापन सौंपते हुए ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद कुमार वर्मा ने अवगत कराया कि भारी वर्षा के कारण विद्यालयों में जलभराव है और बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई हैं। इससे सांप, बिच्छू व विषैले कीट-पतंगों का खतरा बढ़ गया है, जिससे बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा पर जोखिम बना हुआ है। साथ ही डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका से छात्र उपस्थिति प्रभावित हो रही है। महासंघ ने मांग की कि सफाई कर्मियों को विशेष अभियान चलाकर परिसरों की सफाई, झाड़ियों की कटाई व जल निकासी के निर्देश दिए जाएं। तत्पश्चात बीआरसी नवाबगंज पर 24 से 31 अगस्त तक प्रस्तावित 5 दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण (बैच 5 व 6) की तिथियों में बदलाव हेतु खंड शिक्षा अधिकारी राधेश्याम वर्मा को ज्ञापन दिया गया। अध्यक्ष श्री वर्मा ने बताया कि इस अवधि में बारावफात (26 अगस्त), रक्षाबंधन (28 अगस्त) व रविवार (30 अगस्त) के 3 सार्वजनिक अवकाश पड़ रहे हैं। ब्लॉक में कार्यरत बहुसंख्यक शिक्षक व शिक्षिकाएं 400-500 किमी दूरस्थ जनपदों से हैं, जिन्हें आने-जाने में ही 24 से 48 घंटे लग जाते हैं। अतः मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए इस प्रशिक्षण को रक्षाबंधन के बाद कराने का अनुरोध किया गया।ब्लॉक अध्यक्ष श्री वर्मा ने उम्मीद जताई कि बीडीओ दीपेंद्र पांडे एवं बीईओ राधेश्याम वर्मा त्वरित व जनहितैषी निर्णय लेकर शिक्षकों को तनावमुक्त और बच्चों को स्वच्छ व भयमुक्त माहौल प्रदान करेंगे।इस मौके पर अनीश चौधरी, निगर सुलताना, अपर्णा सक्सेना,वैभव सिंह बिसेन, विनोद गिरि, प्रदीप सिंह, राहुल यादव, विकास वर्मा, सुनील यादव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

# मिहींपुरवा में बड़े ही धूमधाम से निकाली गई तिरंगा यात्रा

**वंदे मातरम के जयघोष से गूंजा नगर पंचायत**

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के

मोतीपुर बहराइच। बलहा विधानसभा के नगर पंचायत मिहींपुरवा में बड़े ही धूमधाम से तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा के दौरान भारत माता की जय वंदे मातरम के जयघोष से नगर पंचायत गूंजायमान हो उठा।तिरंगा यात्रा का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भारत इस वर्ष भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बलहा विधायक श्रीमती सरोज सोनकर सोनकर व विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि व जिला मंत्री भाजपा आलोक जिंदल रहे। तिरंगा यात्रा का आयोजन ज्ञान सागर इंटर कॉलेज परिसर से शुरू हुआ जो नगर भ्रमण कर समाप्त हुआ जिसमें नगर पंचायत के साथ ही लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए।सभी ने हाथों में तिरंगा लेकर देश भक्ति के नारे लगाते हुए भारत की एकता और अखंडता को बरकरार रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र मदेशिया, मंडल अध्यक्ष मिहींपुरवा राम सरोज पाठक, मंडल अध्यक्ष गायघाट धनीराम लोधी ,मंडल प्रभारी विक्रम सिंह सभासद गुड्डू लोधी,रामादल मौर्य, हरिओम चौधरी, राम नरेश पासवान, गुरमीत सिंह,रामावती गौतम,आरती प्रजापति, सुनीता चौहान, संजय सोनकर सहित काफी संख्या में लोग शामिल रहे।

# 49 ग्राम स्मैक के साथ तीन अभियुक्तों को एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम ने दबोचा

**थाना मोतीपुर के भारत नेपाल सीमा क्षेत्र से हुई गिरफ्तारी**

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। भारत नेपाल सीमा क्षेत्र से सशस्त्र सीमा बल व पुलिस के संयुक्त जवानों ने तीन अभियुक्तों को 49 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है।भारत नेपाल सीमा क्षेत्र के थाना मोतीपुर के बलई गांव के पास स्थित पुलिया पर पुलिस तथा एसएसबी द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था इसी बीच तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया जिसमें रिजवान पुत्र रियाज अली (28)रामपुरा कमन थाना फतेहगंज पूर्वी जनपद बरेली।कासिम अली पुत्र सफीउल्लाह (28)रौली बौरी थाना जलालाबाद जनपद शाहजहांपुर तथा आलम पुत्र अली अहमद (32) कादरगंज थाना फतेहगंज पूर्वी जनपद बरेली के निवासी हैं।तलाशी के दौरान रिजवान के पास 15 ग्राम स्मैक , कासिम के पास 15 ग्राम स्मैक, आलम के पास 19 ग्राम स्मैक कुल 49 ग्राम स्मैक बरामद हुई।साथ ही एक मोटरसाइकिल यूपी 40 एपी 8020 तथा एक शिफ्ट कार यूपी 27 जेड 9217 बरामद हुई है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मा गोंड ,उपनिरीक्षक अजेश कुमार ,हेड कांस्टेबल गद्दू पांडे, अजय गोंड ,सिपाही सूरज कुमार तथा एसएसबी 59 वीं वाहिनी की टीम में चितरंजन नाथ, प्रशांत डी मकदूम, इंद्रभान ,एजाज अंसारी ,रोशन सारकी कृष्ण पाल शामिल रहे। प्रभारी निरीक्षक मोतीपुर ब्रह्मा गोंड ने बताया कि तीन अभियुक्तों को स्मैक के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय के समय पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा।

# ट्रैक्टर से तिरंगा यात्रा निकालकर तहसील पहुंचे किसान

**विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन**

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। नैनिहा गुरुद्वारा से किसानों ने एक भव्य तिरंगा यात्रा ट्रैक्टर से निकाली तिरंगा नैनिहा गुरुद्वारा से होते हुए मिहींपुरवा तहसील मुख्यालय पर पहुंची जहां पर किसानों ने खाद बीज बिजली सड़क सहित पांच मांगों से संबंधित ज्ञापन एसडीएम मोनालिसा जौहरी को सौंपा।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गुरुवंत सिंह चीमा के नेतृत्व में नैनिहा गुरुद्वारा से तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें क्षेत्र के काफी संख्या में किसान शामिल हुए। तिरंगा यात्रा में समाजवादी पार्टी से बलहा विधानसभा की प्रत्याशी ललिता हरेंद्र पासवान भी शामिल हुई उन्होंने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए किसान विरोधी बताया। यात्रा के समापन पर तहसील मुख्यालय पहुंचकर किसानों ने एसडीएम मोनालिसा जौहरी को अपनी पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा जिसमें 1,यूरिया एवं डीएपी की कालाबाजारी एवं ओवररेटिंग, निजी दुकानदारों द्वारा उर्वरकों की अधिक मूल्य पर बिक्री तथा सहकारी समितियों में हो रही अनियमितताओं की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।2 बदहाल विद्युत व्यवस्थाः क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था में सुधार किया जाए तथा जनता ढाबा से सेमराना, भरतपुर तक 11 केवी लाइन का निर्माण एवं उर्रा में प्रस्तावित पावर हाउस को शीघ्र संचालित किया जाए।3 जंगली जानवर एवं किसानों के निजी पेड़ः जंगली जानवरों से फसलों के नुकसान एवं किसानों के घायल होने पर उचित मुआवजा दिया जाए तथा किसानों के निजी पेड़ों के संबंध में वन विभाग द्वारा किए जा रहे अनावश्यक उत्पीड़न पर रोक लगाई जाए।4 गन्ना किसानों की समस्याएंः गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाया जाए तथा गन्ना क्रय केंद्रों पर घटतौली एवं लोडिंग के नाम पर होने वाली अवैध वसूली पर रोक लगाई जाए।5. ग्रामीण सड़कों की समस्याः जर्जर ग्रामीण सड़कों की जांच कर उनका शीघ्र निर्माण एवं मरम्मत कराई जाए, जिससे किसानों एवं मजदूरों को आवागमन में होने वाली समस्याओं से राहत मिल सके।विभिन्न मांगों का ज्ञापन एसडीएम ने प्राप्त करते हुए समाधान का आश्वासन भी दिया। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष गुरवंत सिंह चीमा ,तहसील अध्यक्ष सतनाम सिंह, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह विर्क, सचिव सिमरजीत सिंह, बग्गा सिंह, कुलदीप सिंह,दिलीप कुमार ,राजन वर्मा सहित काफी संख्या में किसान उपस्थित रहे। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस क्षेत्राधिकारी पहुंप सिंह ,थाना प्रभारी ब्रह्मा गोंड पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

# गांव की चौपाल में पहुंचा प्रशासन, तीनों शिकायतों का मौके पर समाधान

**एसडीएम प्रशांत कुमार नायक ने बंभीवा में ग्रामीणों की सुनी समस्याएं**

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराईच। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कराने और ग्रामीणों को तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत दिलाने के उद्देश्य से कैसरगंज तहसील प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे संवाद समाधान कार्यक्रम के तहत ग्राम बंभीवा में चौपाल का आयोजन किया गया। उप जिलाधिकारी कैसरगंज प्रशांत कुमार नायक ने स्वयं गांव पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों एवं राजस्व टीम को मौके पर ही समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर उप जिलाधिकारी के समक्ष अपनी बात रखी। कार्यक्रम में कुल तीन मामले प्रस्तुत हुए।एसडीएम की तत्परता और मौके पर मौजूद राजस्व टीम की कार्रवाई के चलते तीनों मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इससे ग्रामीणों में खुशी और संतोष का माहौल देखने को मिला।

### पैमाइश कराकर तत्काल सुलझाया सीमा विवाद

ग्राम बंभीवा निवासी अनिल कुमार मौर्य ने गाटा संख्या 130 से संबंधित सीमा विवाद का मामला उप जिलाधिकारी के समक्ष रखा। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम प्रशांत कुमार नायक ने राजस्व टीम को तत्काल मौके पर पैमाइश कराने के निर्देश दिए। राजस्व कर्मियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि की नाप-जोख की और संबंधित पक्षों की मौजूदगी में सीमा विवाद का समाधान करा दिया। वहीं, गाटा संख्या 319में स्थित कब्रिस्तान की पैमाइश से संबंधित एक अन्य प्रकरण भी चौपाल में सामने आया। इस मामले में भी प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आवश्यक पैमाइश एवं जांच की प्रक्रिया पूरी कर प्रकरण का निस्तारण कराया। इसके अलावा तीसरे मामले में भी मौके पर ही कार्रवाई करते हुए ग्रामीण को राहत प्रदान की गई।

### गांव में अधिकारी पहुंचे तो ग्रामीणों ने जताई खुशी

संवाद समाधान कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन की इस कार्यप्रणाली की सराहना की। ग्रामीणों का कहना था कि अधिकारियों के गांव में पहुंचकर सीधे जनता की समस्याएं सुनने और मौके पर ही उनका समाधान कराने से आम लोगों को काफी सहूलियत मिल रही है। छोटी-छोटी समस्याओं के लिए तहसील मुख्यालय के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ रही है।एसडीएम प्रशांत कुमार नायक ने ग्रामीणों से कहा कि प्रशासन का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी तरीके से निस्तारित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी व्यक्ति को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े और राजस्व संबंधी मामलों में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

### एसडीएम की पहल से क्षेत्र में सकारात्मक संदेश

कैसरगंज तहसील क्षेत्र में संवाद समाधान कार्यक्रम के माध्यम से गांव-गांव पहुंचकर समस्याओं का समाधान कराने की पहल को लेकर ग्रामीणों में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। बंभीवा में तीनों मामलों के मौके पर ही निस्तारण से ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति भरोसा और बढ़ा है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि इसी तरह प्रशासन गांवों में चौपाल लगाकर समस्याएं सुने और मौके पर ही उनका समाधान कराए, तो इससे आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। एसडीएम की इस पहल को ग्रामीणों ने जनहित और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में सराहनीय कदम बताया। इस मौके पर नायब तहसीलदार कैसरगंज सुरेंद्र वर्मा सहित राजस्व विभाग की टीम एवं संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवश्यक कार्रवाई करते हुए मौके पर ही समाधान सुनिश्चित कराया।

# फर्जी डिग्री मामले में 68 अधिवक्ताओं पर एफआईआर

**प्रतापगढ़ के 4 वकील भी शामिल, बार काउंसिल की शिकायत पर हुआ मुकदमा**

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , उत्तर प्रदेश बार काउंसिल में कथित तौर पर गलत शैक्षिक अभिलेखों के आधार पर पंजीकरण कराने के मामले में 68 अधिवक्ताओं के खिलाफ प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें प्रतापगढ़ के चार अधिवक्ता भी शामिल हैं। बार काउंसिल के सचिव आरके शुक्ला की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

यह कार्रवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में की जा रही है। बार काउंसिल अधिवक्ताओं की डिग्री और अंकपत्रों का संबंधित विश्वविद्यालयों से सत्यापन करा रही है। सत्यापन के दौरान जिन अधिवक्ताओं के अभिलेख गलत या असत्य पाए जा रहे हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है।

### अंकपत्र की छायाप्रति को बताया गलत

मुकदमे में प्रतापगढ़ के ग्राम व पोस्ट प्रेमधन पट्टी, तहसील रानीगंज, थाना कंधई निवासी माता प्रसाद पाण्डेय (पंजीकरण संख्या यूपी 16046/10) का नाम शामिल है। उनकी वर्ष 2004 की एलएलबी डिग्री और रोल नंबर 6856 के अंकपत्र का इलाहाबाद विश्वविद्यालय से सत्यापन कराया गया था, जिसमें अंकपत्र की छायाप्रति को गलत एवं असत्य बताया गया। इसी गांव के रामप्रकाश पाण्डेय भी नामजद हैं, जो माता प्रसाद पाण्डेय के सगे भाई हैं। उनकी वर्ष 2004 की एलएलबी डिग्री के रोल नंबर 7294 के सत्यापन में इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने बताया कि वर्ष 2004 में संबंधित अनुक्रमांक आवंटित नहीं किया गया था। 68 अधिवक्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज इसके अतिरिक्त, प्रतापगढ़ के सड़क बाजार, पूरे मुस्तफा खान निवासी रफीउल्ला और थाना कुंडा, रहवई, नई बाजार, जगदीशपुर निवासी सत्यम मिश्रा के नाम भी मुकदमे में हैं। दोनों के शैक्षिक अभिलेखों के सत्यापन में संबंधित विश्वविद्यालयों ने उनके अंकपत्रों को गलत एवं असत्य पाया है।

## संक्षेप

### मां की बात से नाराज युवक ने कीटनाशक खाया

**हालत बिगड़ने पर हायर सेंटर रेफर, पुलिस जांच में जुटी**

बागपत , खुब्बीपुर निवाड़ा गांव में मंगलवार को एक युवक ने मां की बात से नाराज होकर कीटनाशक दवा खा ली। दवा खाने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक को हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार, मंगलवार सुबह युवक घर पर था। उसकी मां ने उससे खेत पर मौजूद बड़े भाई के लिए खाना पहुंचाने को कहा था। इसी बात को लेकर युवक नाराज हो गया और उसने घर में रखी कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। कुछ समय बाद जब युवक की हालत बिगड़ने लगी, तब परिजनों को मामले की जानकारी हुई। परिवार के सदस्य उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच कर प्राथमिक उपचार दिया। युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने भी मामले की जानकारी जुटाई है और जांच शुरू कर दी है। हालांकि, युवक ने किन परिस्थितियों में कीटनाशक दवा खाई, इसकी स्पष्ट जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। फिलहाल, युवक चिकित्सकों की निगरानी में है और परिजन उसकी हालत में सुधार की उम्मीद कर रहे हैं।

### डाक कांवड़ियों के दो पक्ष भिड़े

**युवक को सड़क पर पीटा, मौके पर पुलिसकर्मी भी था मौजूद**

बागपत, बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के बड़ौली गांव में डाक कांवड़ लेकर लौट रहे दो पक्षों के बीच विवाद के बाद एक युवक के साथ मारपीट का वीडियो सामने आया है। दिल्ली-सहारनपुर हाईवे किनारे हुई घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वीडियो में तीन से चार लोग एक युवक को घेरकर उसके साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। युवक को सड़क किनारे पीटा जा रहा है। आसपास मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर किसी तरह विवाद शांत कराया।बताया जा रहा है कि हरिद्वार से डाक कांवड़ लेकर लौट रहे कांवड़ियों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद विवाद बढ़ गया और एक युवक के साथ मारपीट की गई। मारपीट के दौरान मौके पर मौजूद था पुलिसकर्मी घटना के दौरान एक पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद दिखाई दे रहा है। वीडियो में पुलिसकर्मी फोन पर बात करता नजर आ रहा है। पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद मारपीट होने के कारण पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

### बारिश से घरों में घुसा पानी

**सड़कें और गलियां भी पानी में डूबीं, नगर निगम की मानसून तैयारियों की खुली पोल**

मेरठ , पिछले तीन दिनों से हो रही रुक-रुककर बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। ब्रह्मपुरी क्षेत्र के माधवपुरम स्थित वार्ड-48 में भारी जलभराव के कारण लोगों के घरों में पानी घुस गया, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। मंगलवार सुबह से जारी बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। विशेष रूप से माधवपुरम के वार्ड-48 में सड़कें और गलियां पूरी तरह पानी में डूब गईं।

# न्यू छप्पन भोग में मिली गंदगी, किचन कराया बंद

**खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, 4 प्रतिष्ठानों का संचालन रोका, ग्रैंड कांटिनेंटल को नोटिस**

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटी और अनहाइजेनिक खाद्य पदार्थों की बिक्री के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को विभाग की टीमों ने 11 प्रमुख खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गुणवत्ता, साफ-सफाई और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त डॉ. दीनानाथ यादव ने बताया कि कमियां पाए जाने पर न्यू छप्पन भोग का किचन बंद कराने के साथ चार प्रतिष्ठानों का संचालन रोक दिया गया है। अन्य प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए हैं। कस्तूरबा गांधी मार्ग स्थित न्यू छप्पन भोग के परिसर में भारी गंदगी और अन्य गंभीर कमियां पाई गईं। इसके चलते प्रतिष्ठान को नोटिस चस्पा किया गया और आवश्यक सुधार होने तक किचन का संचालन पूरी तरह बंद करा दिया गया। कमला नगर की रतन डेयरी में दही की भौतिक स्थिति खराब पाई गई, और मिलावट की आशंका के चलते 48 किलोग्राम दही मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। डेयरी का संचालन भी आवश्यक सुधार होने तक बंद कर दिया गया है। महावीरपुरी, शिवकुटी स्थित सोनू एवं नोनू फ्रूट कंपनी के राइपनिंग चैंबर में लगभग 10 क्विंटल केले रसायनों से पकाए जा रहे थे। खाद्य पंजीकरण के बिना अवैध कारोबार संचालित होने के कारण इस प्रतिष्ठान को भी बंद करा दिया गया। इसी तरह, सीढ़ौली, जलालपुर, उतरांव के राजेश कुमार सोनकर के प्रतिष्ठान में भी रसायनों से केले पकाए जाने के संदेह में जांच की गई। खाद्य पंजीकरण के बिना कारोबार संचालित होने के कारण इस प्रतिष्ठान को भी बंद कर दिया गया। सिविल लाइन्स स्थित होटल ग्रैंड कांटिनेंटल के किचन और भंडारगृह में साफ-सफाई व स्वच्छता मानकों में कमी पाई गई। इसके प्रबंधन को नोटिस जारी किया गया है। बालसन चौराहा स्थित पैराडाइज्ड फास्ट फूड एंड रेस्टोरेंट के किचन और भंडारगृह में भी स्वच्छता संबंधी कमियां मिलने पर नोटिस जारी किया गया। धूमनगंज के डिलाइट मफिंस से अजवाइन कुकीज और इलायची रस्क के नमूने लिए गए।

# यौन उत्पीड़न की एफआईआर को पुलिस मना नहीं कर सकती

**हाईकोर्ट ने कहा- महिला का सबूत देना जरूरी नहीं, गाजियाबाद कमिश्नर की जांच हो**

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस यौन उत्पीड़न की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने से सिर्फ.इसलिए मना नहीं कर सकती, क्योंकि शिकायतकर्ता महिला ने अपने आरोपों के समर्थन में वाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्डिंग या अन्य ठोस सबूत पेश नहीं किए। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब कोई महिला संज्ञेय अपराध की जानकारी लेकर पुलिस के पास जाती है तो कानूनी जांच करने की ज़िम्मेदारी उस महिला पर नहीं डाली जा सकती।कंपनी के मालिक पर कर्मचारी महिला के आरोप जस्टिस चंद्र धारी सिंह और जस्टिस तरुण सक्सेना की बेंच ने यह टिप्पणी तब की जब वे एक याचिका खारिज कर रहे थे। इस याचिका में याची अर्पित गुप्ता ने यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़, डिजिटल पेनिट्रेशन और आपराधिक धमकी के आरोपों वाली एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई थी। ये आरोप उस कंपनी के मालिक पर लगाए गए, जहां शिकायतकर्ता महिला काम करती थी। कोर्ट ने कहाः ₹यह समझना मुश्किल है कि जब शिकायतकर्ता महिला आरोपों के साथ संबंधित पुलिस स्टेशन गई, जिनसे पहली नजर में ही संज्ञेय अपराध का पता चलता था, तो पुलिस ने एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की।

## 9 साल की बच्ची से अश्लीलता

**22 साल के युवक ने किशोरी को घर में बुलाकर रेप का प्रयास किया**

अमन लेखनी समाचार

मेरठ के एक मोहल्ले में शाम को पड़ोस के रहने वाले 22 साल के युवक ने एक 9 साल की बच्ची को समान मंगाने के बहाने से अपने घर बुला लिया। इस दौरान आरोपी ने किशोरी से अश्लीलता करते हुए रेप का प्रयास किया। किशोरी किसी तरह अपनी जान बचाकर घर पहुंची। उसने मामले की जानकारी अपने परिवार वालों को दी। परिवार के लोग आरोपी की शिकायत करने पहुंचे तो उसने अपने परिवार वालों के साथ मिलकर पीड़ित परिवार के साथ अभद्रता की। घटना लिसाड़ी गेट क्षेत्र की एक कॉलोनी की है। बच्ची के परिवार वालों ने आरोपी के मकान के सामने लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकलवाई। किशोरी को घर में बुलाने की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो चुकी थी। सीसीटीवी फुटेज और शिकायती पत्र लेकर पीड़ित परिवार थाने पहुंचा। आरोपी पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए थाने में शिकायती पत्र दिया। शिकायती पत्र मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

# स्कूटी-बाइक की आमने-सामने टक्कर ,2 कांवड़ियों की मौत

**2 गंभीर घायल; मृतक कांवड़िए हरिद्वार से जल चढ़ाकर लौट रहे थे।**

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में सुबह दौराला हाईवे पर एक सड़क हादसे में दो कांवड़ियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना दौराला गांव के पास स्कूटी और बाइक की आमने-सामने की टक्कर से हुई। मृतक कांवड़िए हरिद्वार से जल चढ़ाकर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, हरिद्वार जिले के गांव केली निवासी सचिन अपने साथी लक्ष्य के साथ स्कूटी पर सवार होकर दिल्ली की ओर जा रहे थे। वे पुरा महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने के बाद वापस लौट रहे थे। इसी दौरान दौराला गांव के सामने उनकी स्कूटी की सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। दूसरी ओर, बाइक पर दिल्ली के रामनगर कृष्णा कॉलोनी निवासी अभिनव और उसका दोस्त साहिल सवार थे। ये दोनों भी हरिद्वार की ओर से दिल्ली लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों वाहनों की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चारों सड़क पर जा गिरे। हादसे में स्कूटी सवार सचिन और बाइक सवार अभिनव ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस दुर्घटना में लक्ष्य और साहिल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। हादसे की सूचना मृतकों और घायलों के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस फिलहाल हादसे के कारणों की जांच कर रही है। इस घटना के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

## बारिश के बीच मकान की छत गिरी

**मलबे में दबकर बुजुर्ग महिला की मौत, नातिन घायल**

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , लिसाड़ीगेट थाना क्षेत्र के आमिर गार्डन में सुबह तेज बारिश के दौरान एक मकान की छत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय घर के अंदर मौजूद 80 वर्षीय जैतून मलबे में दब गईं। स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में उनकी नातिन नाजमा भी मामूली रूप से घायल हुई है, जिसे एहतियातन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शुरूआती जांच में लगातार हो रही बारिश के कारण छत गिरने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में जर्जर मकानों से लगातार खतरा बना हुआ है। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। आमिर गार्डन निवासी नासिर के मकान के एक कमरे की छत अचानक तेज आवाज के साथ नीचे आ गिरी। उस समय कमरे में नासिर की सास जैतून और उनकी नातिन नाजमा मौजूद थीं। छत का पूरा मलबा जैतून के ऊपर गिर गया, जबकि नाजमा भी उसकी चपेट में आकर घायल हो गई।स्थानीय लोगों ने हटाया मलबा

धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। लोगों ने बिना इंतजार किए मलबा हटाना शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद दोनों महिलाओं को बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जैतून को मृत घोषित कर दिया। नाजमा की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। दो कमरों में से एक की छत गिरीबताया गया कि नासिर का मकान करीब 15 साल पहले बना था। मकान में दो कमरे हैं, जिनमें से एक कमरे की छत हादसे में गिर गई। नासिर अपनी पत्नी शाहजहां और आठ बच्चों के साथ यहां रहते हैं। पति मजीद की मौत के बाद जैतून भी अपनी बेटी के पास रहने लगी थीं।

## लव अफेयर में की सहकर्मी की हत्या-1 अरेस्ट

**आरोपी बोला- गर्लफ्रेंड के सामने अपमानित करता था, अकेला मिलते ही गला काट डाला**

अमन लेखनी समाचार

लोनी ,गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी की रेडीमेड गारमेंट्स फैक्ट्री में कर्मचारी अनवेश की हत्या के पीछे लव अफेयर का विवाद सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, फैक्ट्री में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी से आरोपी सर्वेश की नजदीकी थी। अनवेश इस बात को लेकर उसे महिला से दूर करता था और सबके सामने उसकी बेइज्जती करता था। इसी बात से नाराज सर्वेश ने मौका पाकर अनवेश पर कैंची से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी सहकर्मी सर्वेश दर्जी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल कैंची भी बरामद कर ली गई है।

### महिला कर्मचारी को लेकर बढ़ती गई रंजिश

पुलिस पूछताछ में सर्वेश ने बताया कि वह पिछले करीब चार साल से इसी फैक्ट्री में काम कर रहा था। अनवेश भी लंबे समय से फैक्ट्री में काम करता था और कर्मचारियों को काम बांटने की जिम्मेदारी उसके पास थी। सर्वेश के मुताबिक, फैक्ट्री में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी उसके करीब थी। जब भी वह महिला उसके पास खड़ी होती, अनवेश उसे वहां से हटा देता था। सर्वेश का आरोप है कि अनवेश कई बार दूसरे कर्मचारियों के सामने उसे अपमानित भी करता था। इसी बात को लेकर सर्वेश के मन में अनवेश के खिलाफ गुस्सा बढ़ता गया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि फैक्ट्री मालिक भी अनवेश का पक्ष लेते थे। इससे उसकी नाराजगी और बढ़ गई। अकेला मिला तो कैंची से कर दिया हमला 10 अगस्त को सर्वेश ने पहले फैक्ट्री में मौका देखा। बाद में जब अनवेश कटिंग सेक्शन में अकेला मिला तो उसने वहां रखी कपड़ा काटने वाली कैंची उठा ली। आरोप है कि सर्वेश ने अनवेश के सिर और गले पर कई वार किए। गंभीर चोट लगने से अनवेश की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के दौरान सर्वेश की अपनी उंगली भी कट गई थी।कैंची लेकर भागा, झाड़ियों में फेंकीवारदात के बाद सर्वेश कैंची लेकर फैक्ट्री से बाहर निकल गया। कुछ दूर जाकर उसने हत्या में इस्तेमाल कैंची झाड़ियों में फेंक दी और वहां से फरार हो गया। घटना के बाद अनवेश के भाई की शिकायत पर ट्रोनिका सिटी थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कीजांच के दौरान पुलिस ने सर्वेश को हनुमान चौक के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर झाड़ियों से हत्या में इस्तेमाल कैंची बरामद कर ली गई। पुलिस आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है।

# 58 साल के किसान को जिंदा खा गए कुत्ते

**मेरठ में खेत गया था; दौड़ा-दौड़ाकर नोचा; शरीर पर खाल नहीं छोड़ी**

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , आवारा कुत्तों ने एक किसान को नोच-नोचकर मार डाला। किसान सुबह करीब 8 बजे खेत में गन्ने की बंधाई करने गए थे। शाम को जब वह घर नहीं लौटे तो परिवार को चिंता हुई। इसके बाद उनका पोता शाम 4 बजे दादा को देखने खेत पर पहुंचा। वहां उसने आवारा कुत्तों के झुंड को उनके शरीर को नोचते देखा, यह देखकर वह घबरा गया और शोर मचाते हुए गांव की ओर भागा। सूचना मिलने पर घरवाले और गांव के लोग लाठी-डंडे लेकर खेत पहुंचे। लोगों को आता देख कुत्ते वहां से भाग गए। जब तक गांव वाले पहुंचे, तब तक किसान की मौत हो गई। घटना जानी थाना क्षेत्र के गांव किठौली की है। किठौली के रहने वाले लखमी पुत्र रामशरण (58) सुबह खेत पर गए थे। शाम करीब 4 बजे तक वह घर नहीं लौटे। इस पर उनके बड़े बेटे जितेंद्र ने अपने बेटे ईशांत से कहा, जरा खेत पर जाकर देखो, दादा अभी तक क्यों नहीं आए। ईशांत खेत पर पहुंचा तो वहां का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। उसने देखा कि दादा जमीन पर पड़े हैं। आवारा कुत्तों का झुंड उनके शरीर को नोच रहा है। यह देखकर ईशांत डर गया और चीखते हुए गांव की ओर भागा।

### करीब एक घंटे तक शव नहीं उठने दिया

ईशांत ने ग्रामीणों और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग लाठी-डंडे लेकर खेत की ओर पहुंचे। उन्हें आता देखकर कुत्तों का झुंड वहां से भाग गया।ग्रामीणों ने खेत में लखमी को देखा। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। उनके शरीर पर कुत्तों के हमले के गंभीर निशान मिले। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। उन्होंने करीब एक घंटे तक शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नहीं ले जाने दिया। ग्रामीणों का कहना था कि इलाके में आवारा कुत्तों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। खेतों में काम करने वाले किसानों और बच्चे सुरक्षित नहीं हैं।

### पत्नी और दो बेटों को पीछे छोड़ गए लखमी

लखमी के परिवार में पत्नी उषा और दो बेटे जितेंद्र व अंकुर हैं। बड़ा बेटा जितेंद्र करीब 34 साल का है, जबकि छोटा बेटा अंकुर करीब 30 साल का है। जितेंद्र के दो बेटे हैं, जबकि अंकुर का एक बेटा और एक बेटी है। लखमी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पत्नी, दोनों बेटों और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।सीओ सरधना आशुतोष कुमार ने बताया-शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को भी जानकारी दी गई है।

## सोसायटी में पानी के लिए हंगामा

**48 घंटे से तरस रहे 100 से अधिक फ्लैटों के लोग, सड़क पर लगाया जाम**

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर ,ग्रेटर नोएडा वेस्ट की महागुन माइवुड्स सोसाइटी में 48 घंटे से पानी की सप्लाई बाधित है। कई टावरों में पानी नहीं पहुंचने से 100 से अधिक फ्लैटों के निवासी परेशान हैं। समस्या से नाराज लोगों ने रात मेंटेनेंस ऑफिस पर हंगामा किया। दोपहर सोसाइटी के बाहर सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से बातचीत कर प्रदर्शन समाप्त कराने का प्रयास किया। निवासियों का कहना है कि पानी की समस्या हर साल सामने आती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने पुलिस को बताया कि कई घरों में 48 घंटे से पानी नहीं है। टैंकरों से भी नहीं मिल रही पर्याप्त आपूर्ति निवासी बीपी बंसल ने बताया कि समस्या का मुख्य कारण पर्याप्त और नियमित जलापूर्ति नहीं होना है। प्रबंधन की ओर से टैंकरों के जरिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है, लेकिन सोसाइटी की जरूरत के मुकाबले टैंकरों की संख्या पर्याप्त नहीं है। तकनीकी खराबी की जानकारी नहींमौजूदा जल संकट की वजह सप्लाई लाइन में खराबी है या पंप में कोई तकनीकी समस्या, इस संबंध में प्रबंधन की ओर से स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

## जेवर एयरपोर्ट की पार्किंग में भरा बारिश का पानी

**यात्रियों को हुई परेशानी, ड्रेनेज पर उठे सवाल**

अमन लेखनी समाचार

जेवर ,ग्रेटर नोएडा में जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पार्किंग में दोपहर तेज बारिश के बाद पानी भर गया। करीब 3 बजे हुए जलभराव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद एयरपोर्ट की जलनिकासी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वायरल वीडियो में पार्किंग परिसर के एक हिस्से में काफी पानी जमा दिखाई दे रहा है। जलभराव के कारण एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों और उनके वाहनों को परेशानी हुई। कुछ देर के लिए पार्किंग क्षेत्र में अव्यवस्था की स्थिति भी बनी रही।

### पार्किंग में काफी देर तक जमा रहा पानी?

वीडियो में पार्किंग क्षेत्र में जगह-जगह पानी भरा नजर आ रहा है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि पानी कितनी देर तक जमा रहा और उसे निकालने के लिए एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से क्या कदम उठाए गए। जलभराव को लेकर एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से मंगलवार शाम तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

### मानसून में ड्रेनेज सिस्टम पर सवाल

वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने एयरपोर्ट की जलनिकासी व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि मानसून के दौरान अगर तेज बारिश में पार्किंग में पानी भर रहा है तो यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है।

## बीटेक इंजीनियर ने 19 साल की लड़की को मार डाला

**नोएडा में हॉस्टल के कमरे में लाश छिपाकर भागा, असम से 6 दिन पहले आई थी**

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,बीटेक इंजीनियर ने 19 साल की लड़की की हत्या कर दी। लाश हॉस्टल में अपने कमरे में छिपा दी। फिर बाहर से ताला लगाकर भाग गया।2 दिन बाद बदबू आने पर मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कमरे का ताला तोड़कर देखा, तो अंदर लाश पड़ी थी। उसके शरीर पर धारदार हथियार से कई बार हमला किया गया था। लड़की अपनी सहेली के साथ पेइंग गेस्ट में रह रही थी। वहीं, आरोपी बिहार का रहने वाला है। वह एक कळ कंपनी में नौकरी करता था। लेकिन, अभी वह बेरोजगार है। वह भी उसी ढऋ में किराए पर रहता था। 8 अगस्त को युवक से लड़की का कुछ झगड़ा हो गया था। वारदात सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के बरौला गांव की है। पुलिस ने मंगलवार को वारदात का खुलासा किया। महक अहमद अपनी सहेली संजना के साथ इसी पीजी में पहली मंजिल पर रहती थी। घरवालों को बिना बताए नोएडा आई थी लड़की मूलरूप से असम के डिब्रूगढ़ की रहने महक अहमद (19) ने 12वीं तक पढ़ाई की थी। करीब तीन सप्ताह पहले वह अपने माता-पिता को बिना बताए नोएडा आ गई थी। यहां वह अपनी सहेली संजना के साथ बरौला गांव स्थित पीजी में रह रही थी। संजना भी असम की रहने वाली है। उसकी उम्र 18 साल है। उसने अभी 12वीं की पढ़ाई भी पूरी नहीं की है। दोनों लड़कियां तीन मंजिला मकान की पहली मंजिल पर रहती थीं और कॉल सेंटर में जॉब करती थीं। इसी मंजिल पर बिहार के कटिहार में रहने वाले रमन का कमरा भी था।8 अगस्त को संजना किसी काम से 2 दिन के लिए बाहर चली गई। रात में महक कमरे के बाहर लॉबी में टहल रही थी। इसी दौरान रमन अपने कमरे के बाहर बैठकर शराब पी रहा था।

# मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान की ओर सशक्त पहल

**महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित**

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों—जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य—पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर
112-आपातकालीन सेवा
1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन
181-महिला हेल्पलाइन
1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन
1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

# राम राजा सरकार की नगरी ओरछा धाम के लिए रवाना हुआ कावड़ियों का जत्था

अमन लेखनी समाचार

वीरपुरा। ग्राम पंचायत वीरपुरा से कावड़ियों का जत्था राम राजा सरकार की नगरी ओरछा धाम के लिए रवाना हुआ। ग्राम प्रधान नरेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने कावड़ियों को तिलक लगाकर, उपहार भेंट किए तथा राशन की व्यवस्था कर मंगलमय यात्रा के लिए रवाना किया। इस दौरान ढोल-बाजों के साथ भक्तों का उत्साह देखते ही बना। ग्राम के धर्मप्रेमियों ने कावड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए जयकारों के साथ विदा किया। इस मौके पर निवर्तमान प्रधान जाहर सिंह पटेल, नारायण दास पटेल, नरेश पटेल, करन, अनिल पटेल, बालमुकुंद पटेल, किशोरी लंबरदार, धर्मेश पटेल, राजू साहू, ब्रजकिशोर पटेल, धर्मपाल, राजा पटेल, अमित नापित, देव, पवन, रीतेश, हर्ष, दीपक, अजय, मनीष गोस्वामी, संजय पटेल, सुनील नापित, घनाराम अहिरवार, राजेश, रवि, जितेंद्र गौतम, मुकेश पांचाल, रामस्वरूप अहिरवार, सतेंद्र पटवा, बब्लू खान, अमान यादव, प्यारे पटवा, पुष्पेंद्र पटेल, रंजीत पटवा, उस्मान, रामपाल, रसूल खान, गजेंद्र कुशवाहा, उत्तम पटवा, ईश्वर प्रसाद, हरदयाल अहिरवार, पुष्पेंद्र राठौर, अशोक पाल, सोम, अरविन्द कुशवाहा, राजू परिहार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं धर्मप्रेमी मौजूद रहे।

# कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने की व्यापक व्यवस्थाएं

**घोरावल-शिवद्वार मार्ग पर आवागमन सुगम बनाने के लिए सड़क मरम्मत एवं लेपन कार्य जारी**

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा शिवद्वार मंदिर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश पर संबंधित विभागों को व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

## लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्गों को बनाया जा रहा सुगम

लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) द्वारा घोरावल मार्ग से शिवद्वार मंदिर तक आने-जाने वाले कांवड़ यात्रियों के सुगम आवागमन के लिए मार्गों पर गिट्टी डालने एवं लेपन का कार्य कराया जा रहा है। सड़क की स्थिति को बेहतर बनाते हुए श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जिला पंचायत राज विभाग द्वारा शिवद्वार मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सफाई टीमों के माध्यम से नियमित साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण एवं स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके।

## श्रद्धालुओं के लिए मेला क्षेत्र में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित

नगर पंचायत द्वारा भी मंदिर एवं मेला क्षेत्र के आसपास कांवड़ यात्रियों के आवागमन को सुगम बनाने तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य किया जा रहा है। मेला क्षेत्र में पूछताछ काउंटर सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। श्रद्धालुओं को आवागमन, ठहरने, स्वच्छता एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जागरूक भी किया जा रहा है।

## श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मेला अवधि के दौरान व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करते हुए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए।

## खास समाचार

# निमार्णाधीन मकान में करंट लगने से राजमिस्त्री की मौत

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर (हरदोई)। थाना कासिमपुर क्षेत्र के ग्राम तलौली में निमार्णाधीन मकान में काम कर रहे 23 वर्षीय राजमिस्त्री रूपचंद पुत्र बनवारी लाल की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। बताया गया कि रूपचंद कमलेश पाल और शिवराम के यहां मकान निर्माण का कार्य कर रहा था। इसी दौरान वह बिजली की चपेट में आ गया। हादसे के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए सीएचसी संडीला ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव की पंचायतनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्रवाई थाना संडीला पुलिस द्वारा की जा रही है।

# घायल की मौत के मामले में पांच के खिलाफ कार्रवाई, धाराएं बढ़ाईं

**1.25 लाख रुपए देने के लिए घर बुलाया, फिर कोल्ड ड्रिंक में जहर देकर पिलाया**

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। थाना गरौठा पुलिस ने ग्राम जौरी बुजुर्ग निवासी निहाल सिंह की मौत के मामले में पांच लोगों के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर दर्ज मुकदमे में धाराओं की बढ़ोतरी की है। पुलिस के अनुसार मृतक के पिता करन सिंह पुत्र रघुवर लोधी निवासी ग्राम जौरी बुजुर्ग, थाना बड़ागांव ने 13 अगस्त 2026 को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि विपक्षियों ने 5 जून 2026 को षड्यंत्र के तहत उनके पुत्र निहाल सिंह को मोबाइल के माध्यम से संपर्क कर 1.25 लाख रुपये देने का झांसा देकर अपने घर बुलाया था। आरोप है कि वहां निहाल सिंह को जान से मारने की नीयत से कोल्ड ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया गया। शिकायत के मुताबिक निहाल सिंह ने वहां से भागने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसे रोक लिया और उसका मोबाइल छीनकर लात-घूंसों व डंडों से मारपीट की। गंभीर हालत में निहाल सिंह का उपचार कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मुकेश लोधी, उसकी पत्नी मीना, पुत्री राखी, रामकरण तथा रामकरण की पत्नी (नाम अज्ञात), निवासीगण ग्राम खेरी के खिलाफ पूर्व में न्यायालय के आदेश पर दर्ज मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

# मसाला फैक्ट्री पहुंचकर राज्यमंत्री ने लिया जायजा, उद्यमी से जानीं कारोबार की चुनौतियां

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत स्थापित मसाला फैक्ट्री का गुरुवार को समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने भ्रमण कर जायजा लिया। उन्होंने फैक्ट्री के फाउंडर धीरेंद्र शुक्ला से उद्योग संचालन और कारोबार में आ रही चुनौतियों के बारे में जानकारी ली। फाउंडर धीरेंद्र शुक्ला ने बताया कि बाजार में प्रतिस्पर्धा अधिक होने के कारण कारोबार में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। करीब तीन वर्ष पूर्व फैक्ट्री की स्थापना की गई थी। शुरूआती दौर में व्यापार संबंधी पर्याप्त जानकारी न होने के कारण कारोबार को गति देने में कठिनाई हुई। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री में शुद्ध मसालों का उत्पादन कर उन्हें बाजार में भेजा जाता है। राज्यमंत्री ने फैक्ट्री में उत्पादन प्रक्रिया का जायजा लेते हुए उद्यमी से उद्योग को आगे बढ़ाने में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा, पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा, मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, अभय शंकर शुक्ला, नवल माहेश्वरी, केपी सिंह भदौरिया, हर्षित माहेश्वरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

# जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में महिला एवं बाल सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में महिला कल्याण विभाग की टीम द्वारा संत कीनाराम विद्यालय, रॉबर्ट्सगंज में महिला एवं बाल सुरक्षा तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित लोगों को महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों तथा शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

## मिशन शक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं हेल्पलाइन सेवाओं की दी जानकारी

कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, पीसीपीएनडीटी अधिनियम तथा महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। साथ ही महिला हेल्पलाइन-181, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 एवं आपातकालीन सेवा-112 के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया छात्र-छात्राओं को सुरक्षित व्यवहार, शिक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करते हुए किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न अथवा असुरक्षित परिस्थिति में तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

## मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, महिला पेंशन एवं बाल सेवा योजनाओं की दी जानकारी

इसके अतिरिक्त वन स्टॉप सेंटर, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की पात्रता एवं लाभ के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित लोगों से पात्र लाभार्थियों को शासन की योजनाओं से जोड़ने तथा अधिक से अधिक लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहयोग करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान जेंडर एक्सपर्ट साधना मिश्रा, सेंटर मैनेजर दीपिका सिंह, परियोजना समन्वयक मुकेश सिंह एवं महिला कल्याण विभाग की टीम उपस्थित रही।

# योगी सरकार की वंदन योजना से सोनभद्र के दो प्राचीन मंदिरों की बदलेगी तस्वीर

- **प्राचीन महावीर मंदिर और शीतला माता मंदिर में अवस्थापना सुविधाओं के विकास को शासन की स्वीकृति।**
- **श्रद्धालुओं के साथ पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेंगे दोनों प्राचीन मंदिर।**
- **जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधियों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका।**
- **लगभग 4 करोड़ रुपए अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर खर्च किए जाएंगे।**

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। योगी सरकार की वंदन योजना के तहत जनपद के दो प्राचीन धार्मिक स्थलों की तस्वीर बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। शासन ने दुद्धी नगर पंचायत स्थित प्राचीन महावीर जी मंदिर और नगर पंचायत चुर्क-घुर्मा स्थित मां शीतला माता मंदिर में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए बजट स्वीकृत कर दिया है। दोनों मंदिरों के विकास से जहां श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, वहीं इन प्राचीन धार्मिक स्थलों को पर्यटन के लिहाज से भी विकसित किया जा सकेगा। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि दुद्धी नगर पंचायत स्थित प्राचीन महावीर जी मंदिर में 1.93 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न अवस्थापना सुविधाओं का विकास कराया जाएगा। इसी तरह नगर पंचायत चुर्क-घुर्मा स्थित मां शीतला माता मंदिर के लिए 1.99 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। शासन से बजट स्वीकृत होने के बाद अब विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बताया कि वंदन योजना के तहत दोनों मंदिरों के आसपास श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लिंक रोड का निर्माण कराया जाएगा। मंदिर परिसरों में साज-सज्जा के साथ ही प्रकाश और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इससे श्रद्धालुओं को मंदिरों तक पहुंचने और वहां रुकने में सहूलियत होगी। सुविधाओं के विस्तार से दोनों धार्मिक स्थलों की खूबसूरती भी बढ़ेगी।

## सुविधाएं विकसित होने से बढ़ेगी श्रद्धालुओं की संख्या

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को बेहतर सुविधाओं से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जनप्रतिनिधियों के सहयोग से शासन को भेजे गए प्रस्तावों के क्रम में दोनों मंदिरों के विकास के लिए स्वीकृति मिली है।

# स्वतंत्रता दिवस पर शाहाबाद में निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगेगा शहर

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को शाहाबाद में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। नालंदा शिक्षण संस्थान के प्रबंधक की ओर से आयोजित यात्रा में नागरिकों, विद्यार्थियों और देशभक्तों के बड़ी संख्या में शामिल होने की उम्मीद है। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ सुबह नौ बजे नालंदा शिक्षण संस्थान के प्रांगण से होगा। यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए बस स्टैंड तक पहुंचेगी। हाथों में तिरंगा लेकर शामिल लोग देशभक्ति के नारों के साथ राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश देंगे। नालंदा शिक्षण संस्थान के प्रबंधक डॉ. सोम शेखर दीक्षित ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के लिए गौरव और उत्सव का अवसर है। तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से युवाओं और आमजन में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। यात्रा को लेकर संस्थान की ओर से तैयारियां की जा रही हैं।

## गांधी भवन से कंपनी गार्डन तक गूंजा देशभक्ति का जज्बा, निकली भव्य तिरंगा यात्रा

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को ह्यहर घर तिरंगा अभियानह्ल के तहत शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। गांधी भवन से शुरू होकर यात्रा कंपनी गार्डन तक पहुंची। यात्रा में समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण, जिलाधिकारी अनुनय झा और पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा समेत प्रशासनिक अधिकारी, पुलिसकर्मी और बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर शामिल लोगों ने राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। यात्रा के दौरान राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम की भावना के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। पूरे मार्ग पर देशभक्ति का माहौल नजर आया।

# तिरंगा महोत्सव में देशभक्ति के रंग में रंगा सोनभद्र

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। हर घर तिरंगा अभियानह्ल के अंतर्गत आज हरसेवानंद पब्लिक स्कूल, चुर्क में तिरंगा महोत्सव, तिरंगा मेला एवं तिरंगा प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। तिरंगे के रंगों से सजे परिसर में देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, आकर्षक रंगोली एवं प्रदर्शनी ने राष्ट्रप्रेम का अद्भुत वातावरण बनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हंसराज विश्वकर्मा राज्य मंत्री सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग उत्तर प्रदेश शासन, विशिष्ट अतिथि संजीव कुमार गोंड राज्य मंत्री समाज कल्याण अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग अजीत सिंह खरवार उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, सदर विधायक भूपेश चौबे, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के शुभारंभ पर अतिथियों ने विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार रंगोली एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बच्चों ने अपनी कला एवं रचनात्मकता के माध्यम से तिरंगे, स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। तिरंगा महोत्सव कार्यक्रम में हरसेवानंद पब्लिक स्कूल, डीएवी स्कूल, बेसिक विद्यालय रौंप, समाज कल्याण विभाग के आश्रम पद्धति विद्यालय सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। आंगनबाड़ी के नन्हे बच्चों की देशभक्ति प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। अभियान के प्रथम एवं द्वितीय चरण में विद्यालयों में आयोजित पेंटिंग, रंगोली, प्रदर्शनी, वाद-विवाद सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि हंसराज विश्वकर्मा जी ने कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्र की आन, बान और शान के साथ देश की एकता, अखंडता एवं स्वाभिमान का प्रतीक है। यह हमें स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान का स्मरण कराता है। ह्यहर घर तिरंगा अभियानह्ल प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रध्वज से भावनात्मक रूप से जोड़ने और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है। बच्चों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और देश के प्रति कर्तव्य की भावना विकसित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने जनपदवासियों से अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराकर अभियान में उत्साह के साथ सहभागिता करने का आह्वान किया। राज्य मंत्री समाज कल्याण विभाग संजीव कुमार गोंड जी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है।

तिरंगे के नीचे हम सभी एक हैं और यही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्रप्रेम के सूत्र में जोड़ रहा है।

# संदिग्ध हालात में महिला की मौत, पति पर तकिए से मुंह दबाने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सण्डीला। कोतवाली क्षेत्र के मुरार नगर में 50 वर्षीय महिला रामा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। परिजनों के मुताबिक देर रात पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान पति आसाराम ने रामा के साथ मारपीट की और तकिए से उसका मुंह दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक अनुराग सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर कमरे से साक्ष्य जुटाए। बताया गया कि मृतका के पांच बच्चे हैं। इनमें दो बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि दुर्गा (3), शनि (9) और सूरज (13) अभी उसके साथ रहते थे। मां की मौत के बाद तीनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका की सास मुन्नी देवी के अनुसार कमरे में पति-पत्नी के बीच विवाद हो रहा था, जिसके बाद मामला गंभीर हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। महिला की मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

## सड़क का मार्ग बदलने की मांग

**मकान के क्षतिग्रस्त होने की जताई आशंका**

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज। थाना क्षेत्र के ग्राम गौरा निवासी देवेंद्र कुमार सिंह उर्फ डेविड ने मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र भेजकर गौरा से कलामऊ तक बन रही नई सड़क के मार्ग में मामूली बदलाव किए जाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण के दौरान मार्ग को उनके मकान की ओर अधिक बढ़ा दिया गया है, जिससे मकान सड़क के बिल्कुल पास आ गया है और उसके क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है। देवेंद्र कुमार सिंह के अनुसार गाटा संख्या 463 में उनके मकान के पश्चिम दिशा की ओर स्थित भूमि का कुछ हिस्सा सड़क निर्माण के लिए लिया गया है। उनका कहना है कि यदि सड़क को मकान की ओर बढ़ाने के बजाय पश्चिम दिशा में उपलब्ध भूमि की ओर थोड़ा मोड़ दिया जाए तो सड़क का निर्माण भी पूरा हो सकता है और उनका मकान भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि वह सड़क निर्माण का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि मौके की वास्तविक स्थिति और नक्शे के आधार पर सड़क का मार्ग निर्धारित करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से स्थलीय निरीक्षण कर उचित दिशा में सड़क निर्माण कराने की गुहार लगाई है।

# श्रावण शिवरात्रि पर रिहंदेश्वर महादेव का हुआ भव्य रुद्राभिषेक

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर/सोनभद्र। श्रावण शिवरात्रि के पावन अवसर पर रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ विशेष रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम भक्तों ने सुंदर काण्ड का तन्मयता से आधुनिक वाद्ययंत्रों के साथ सस्वर पाठ किया। तत्पश्चात मंदिर समिति के अध्यक्ष एवं अपर महाप्रबंधक श्री योगेश त्रिपाठी जी ने विधि-विधानपूर्वक रिहंदेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रुद्राभिषेक एवं पूजन में श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। मंदिर के मुख्य पुजारी राधेश्याम दुबे ने विधिवत मंत्रोच्चार करते हुए रूद्राभिषेक कराया। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष जी सी साहू, आर एन वर्मा, उपमहाप्रबंधक निशांत कमल, केंद्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल अनुराग प्रकाश, मंदिर समिति के महासचिव प्रमोद दुबे, शशांक मालवीय, संजय कुमार, अनिल त्रिपाठी, एस के बी पाठक, रिंकेश उपाध्याय, अवनीश पांडे, सोनी पांडे, अनीता पाठक, हर्षिता उपाध्याय, आरती कुमारी, शशी श्रीवास्तव, भीष्म सिंह, भारत भूषण, पंडित विजय दुबे आदि पूरे भक्तिभाव से इस धार्मिक अनुष्ठान में सम्मिलित हुए। मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी अनन्त मोहन जी ने बताया कि श्रावण मास के दौरान रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। तीन अगस्त सोमवार से प्रत्येक दिन प्रातःकाल बड़ी संख्या में श्रद्धालु डीएवी स्कूल के निकट टीटीएस स्थित शिव मंदिर से जल लेकर रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में जलाभिषेक करते हैं।

**अमन लेखनी**
**(हिन्दी दैनिक)**

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

**सम्पादक-**
**श्रीमती अखिलेश सिंह**

**समाचार सम्पादक -**
**रुद्र प्रताप सिंह**

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

**मो. - 9838159555, 9935457982**

**E-mail address**
**amanlekhaninews@gmail.com**

आज के दौर में बड़ी समस्याएं ही नहीं छोटी-छोटी बातों से भी लोग तनाव में रहते हैं। इसे माइक्रो स्ट्रेस कहते हैं। मेंटली हेल्दी-हैप्पी रहने के लिए इनको जानना और इनसे बचना बहुत जरूरी है।

# माइक्रो स्ट्रेस से ऐसे बचें रहें मेंटली हेल्दी-हैप्पी

मेंटल हेल्थ
ललिता गोयल

आजकल स्ट्रेस सबकी लाइफस्टाइल का हिस्सा बन गया है। डेली रुटीन की सुबह से लेकर शाम तक होने वाली छोटी-छोटी परेशानियां जिन पर हम अकसर ध्यान भी नहीं देते, इन छोटे-छोटे स्ट्रेस को माइक्रो स्ट्रेस कहते हैं।

**तन-मन पर पड़े बुरा असरः** माइक्रो स्ट्रेस बहुत चुपके से जिंदगी में दाखिल होता है और अंदर ही अंदर मेंटली बीमार करता रहता है। जैसे किसी छोटी-सी बात पर किसी से बहस हो जाना, ऑफिस में जरूरी मीटिंग में प्रेजेंटेशन वाला स्ट्रेस, बहुत सारे काम एक साथ मैनेज न कर पाने पर कॉन्फिडेंस की कमी महसूस करना, अपनों को समय न दे पाने का प्रेशर। ये बातें देखने में छोटी लगती हैं, लेकिन इन छोटे-छोटे स्ट्रेस का मन और शरीर पर बड़ा असर होता है। हर समय थकान, चिड़चिड़ापन होने लगता है और अगर इस पर ध्यान न दिया गया तो माइक्रो स्ट्रेस गंभीर रूप ले सकता है।

**माइक्रो स्ट्रेस के प्रकारः** कुछ ऐसी बातों से माइक्रो स्ट्रेस हो सकता है। जैसे-सुबह ऑफिस के लिए निकलते समय गाड़ी की चाबी का न मिलना। वॉट्सएप पर किसी का मैसेज देखकर तुरंत जवाब देने का दबाव महसूस होना। ट्रैफिक जाम में फंस जाना। काम के बीच अचानक और कोई नया काम आ जाना। अचानक कहीं से आए इनविटेशन पर जाने का प्रेशर। काम की छोटी-छोटी डेड लाइंस का प्रेशर। परिवार या कलीग्स से छोटी बातों पर बहस। हर समय अवेलेबल रहने की उम्मीद रखना। देखने में ये बातें इतनी छोटी होती हैं कि इन पर गुस्सा या दुःख जाहिर नहीं कर पाते, लेकिन ये माइक्रो स्ट्रेसर्स शरीर के कॉर्टिसोल स्ट्रेस हार्मोन को निरंतर बढ़ाते हैं, जिससे धीरे-धीरे फोकस में कमी और मूड स्विंग्स होने लगते हैं और ओवरऑल हेल्थ इफेक्ट होती है।

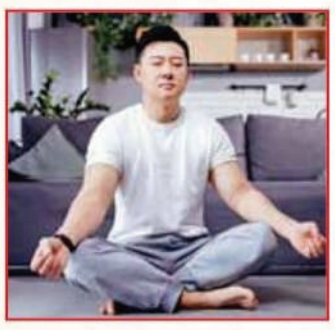

**प्रमुख लक्षणः** माइक्रो स्ट्रेस की स्थिति में व्यक्ति दिनभर की छोटी-छोटी बातों को सोचता रहता है, जिसके कारण उसे आराम नहीं मिल पाता और उसकी सेहत पर नेगेटिव असर होता है। इस वजह से व्यक्ति में चिंता, बेचैनी, गुस्सा, चिड़चिड़ापन, थकान, उदासी, फोकस की कमी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, अनिद्रा, इम्यूनिटी वीक होने लगती है।

**इन्हें है ज्यादा रिस्कः** सेंसिटिव लोगों को माइक्रो स्ट्रेस का जोखिम ज्यादा रहता है। एजुकेशन और हेल्थ केयर से जुड़े लोग या कॉर्पोरेट एंप्लॉई या फिर हर काम में परफेक्शन की चाह रखने वाले लोगों में माइक्रो स्ट्रेस का रिस्क ज्यादा दिखाई देता है। कुछ केसेज में पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में बैलेंस न होना, हॉबीज के लिए समय न मिल पाना, मोबाइल या लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल, खुद से बहुत ज्यादा उम्मीदें रखना, हर काम को परफेक्ट करने की कोशिश करना, परिवार या दोस्तों के लिए समय की कमी, हर वक्त नोटिफिकेशन रिंग से डिस्टर्ब होना भी माइक्रो स्ट्रेस को बढ़ाने का कारण बन सकती है।

**कंट्रोल करने के तरीकेः** माइक्रो स्ट्रेस को कंट्रोल करना आसान है लेकिन इसके लिए पहले उन बातों को पहचानने की जरूरत होती है जो बातें रोज की जिंदगी में बार-बार परेशान कर रही हैं। जब भी अचानक बिना किसी बड़ी वजह के उदासी या गुस्सा आए, तो दो मिनट रुकें और खुद से पूछें कि सुबह से ऐसी कौन-सी छोटी-छोटी बातें हुईं, जिनसे मूड खराब हुआ। जब आप समस्या को पहचान लेते हैं, तो दिमाग शांत होने लगता है रोजाना की आदतों और लाइफस्टाइल में बदलाव करके माइक्रो स्ट्रेस को कंट्रोल किया जा सकता है। जो काम करना संभव न हो उसके लिए 'ना' कहें। काम के बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें, सुबह-शाम खुली हवा में वॉक करें। स्क्रीन टाइम लिमिट करें। बार-बार फोन चेक करने की आदत को कम करें। दिन में कुछ समय डिजिटल डिटॉक्स के लिए निकालें। मेडिटेशन और ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। छोटी-छोटी खुशियों जैसे पसंदीदा संगीत सुनना, चाय की चुस्की लेने जैसी हैबिट को अपनी लाइफ में जगह दें। परिवार और दोस्तों से जुड़े रहें। स्ट्रेस को ज्यादा समय तक मन में न रखें। पर्याप्त नींद लें। *

(साइकोलॉजिस्ट मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. नीलम अत्रि
नेत्र रोग विशेषज्ञ, ऑप्ट आई सेंटर, दिल्ली

हमारे शरीर की बहुत कोमल और महत्वपूर्ण अंग होती हैं आंखें। लेकिन अकसर देखने में आता है कि लोग आइज हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं होते हैं। इसीलिए जाने-अंजाने ऐसी हैबिट्स को अपनाए रहते हैं, जो आंखों के लिए हार्मफुल होती हैं। इनके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए, ताकि इन्हें छोड़कर अपनी आंखों को हमेशा स्वस्थ रख सकें।

# ये बैड हैबिट्स होती हैं आंखों के लिए हार्मफुल

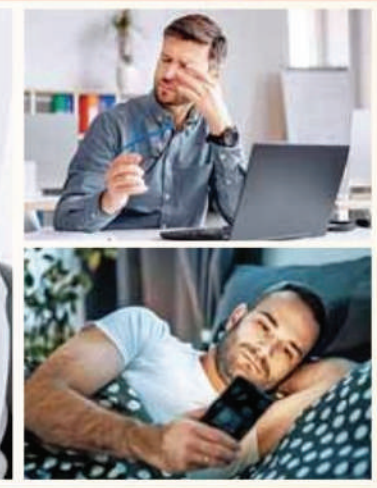

हम अकसर यह सोचते हैं कि हमारी आंखों को सबसे ज्यादा नुकसान फोन की स्क्रीन से होता है। रात को देर तक मोबाइल चलाना, टीवी के सामने घंटों बैठे रहना, यही सब उन्हें आंखों का असली दुश्मन लगता है। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि हमारी कुछ बुरी आदतें भी ऐसी हैं, जो हर रोज बिना किसी वार्निंग के आंखों को धीरे-धीरे कमजोर कर रही होती हैं। इनकी वजह से भविष्य में आंखों से संबंधित कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। जब तक पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। ऐसे में हमें इनके प्रति सजग रहना जरूरी है।

## गलत दूरी-पोश्चर में पढ़ना

बहुत पास से किताब पढ़ना, लेटकर मोबाइल चलाना या कम रोशनी में काम करना, ये सब आदतें आंखों पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। खासकर बच्चों में यह आदत निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) बढ़ाने का बड़ा कारण बनती हैं।

**क्या करें:** पढ़ते समय किताब को आंखों से कम से कम 12-14 इंच की दूरी पर रखें। स्क्रीन को आंखों के लेवल से थोड़ा नीचे और लगभग एक हाथ की दूरी पर रखें। हमेशा पर्याप्त रोशनी में ही पढ़ने-लिखने का काम करें।

## बार-बार आंखें मलना

दिन भर काम करते-करते जब भी आंख में हल्की-सी खुजली होती है, हम बिना सोचे-समझे हाथ से आंख को रगड़ने लगते हैं। यह बहुत नॉर्मल लगता है। आमतौर पर हमें लगता है कि यह आलस या नींद पूरी न होने की वजह से हो रहा है। जबकि इसके पीछे एलर्जी, ड्राई आइज या इंफेक्शन की शुरुआत होने जैसे कारण हो सकते हैं। लेकिन हमें एहसास ही नहीं होता कि इस आदत के कारण अपनी आंखों का कितना बड़ा नुकसान कर रहे हैं। दिन भर में हमारे हाथ कई चीजों को छूते हैं, जिन पर मौजूद जर्म्स और बैक्टीरिया हमारे हाथों पर चिपक जाते हैं। जब हम आंखें मलते हैं, तो वे आंख के अंदर पहुंच जाते हैं। इससे इंफेक्शन का खतरा तो बढ़ता ही है, आंखों को नुकसान भी पहुंचता है। बार-बार जोर से आंख मलने से कॉर्निया यानी आंख का वह पतला सामने वाला हिस्सा कमजोर पड़ने लगता है। धीरे-धीरे वह अपनी नेचुरल शेप खो देता है और कोन जैसी शेप में बदल सकता है। इसे कैरेटोकोर्नस कहा जाता है। ध्यान न देने पर यह आगे चलकर आंखों की रोशनी कम हो सकती है।

**क्या करें:** जब आंख में खुजली हो तो उसे मलने की बजाय ठंडे पानी से धोएं। अगर खुजली बार-बार हो रही है तो समुचित उपचार के लिए नेत्र विशेषज्ञ से अवश्य मिलें।

## सस्ते सनग्लासेस पहनना

गर्मी के मौसम में धूप में निकलते समय हम डार्क कलर के लेंस वाले और सस्ते सनग्लासेस पहनते हैं। इन्हें अकसर अनब्रांडेड ही लेते हैं। बेशक अल्ट्रावॉयलेट रेज से आंखों का बचाव करने के लिए सनग्लासेस पहनना उचित है। लेकिन ऐसे सनग्लासेस फायदे की जगह उल्टा नुकसान पहुंचा सकते हैं। लेंस का डार्क कलर देखकर हमारा ब्रेन समझता है कि बाहर अंधेरा है और आंखों की काली पुतली (प्यूपिल) अपने आप फैल जाती है, जिससे हार्मफुल अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों के रेटिना और लेंस तक ज्यादा मात्रा में पहुंचने लगती हैं। लंबे समय तक इनके इस्तेमाल से मैकुलर डिजनरेशन जैसी बीमारियां होने का खतरा रहता है, जिनसे आंखों की रोशनी धीरे-धीरे कम होने लगती है।

**क्या करें:** सनग्लासेस यथासंभव आइज-स्पेशलिस्ट को कंसल्ट करके या किसी अच्छी दुकान से ही खरीदें। खरीदते समय हमेशा लेबल या पैकेजिंग पर लिखी जानकारी जरूर पढ़ें। चेक करें कि उस पर यूवी 400 या शत-प्रतिशत यूवी प्रोटेक्शन लिखा हो। सनग्लासेज के लेंस के रंग का भी ध्यान रखें यानी बहुत डार्क कलर के सनग्लासेज लेना अवॉयड करें। यह हार्मफुल हो सकता है।

## कांटेक्ट लेंस से जुड़ी लापरवाही

समयाभाव या आलस के चलते रात में सोने से पहले कई लोग कांटेक्ट लेंस नहीं उतारते और उन्हें पहनकर ही सो जाते हैं। या उन्हें बिना ठीक से साफ किए इस्तेमाल करते रहते हैं। इसका आंखों पर बहुत असर पड़ता है, क्योंकि सोते समय हमारी आंखें बंद रहती हैं और कॉर्निया तक ऑक्सीजन की सप्लाई नेचुरली कम मात्रा में हो पाती है। ऊपर से अगर सोते हुए कांटेक्ट लेंस लगाने पर ऑक्सीजन की सप्लाई और भी कम हो जाती है, क्योंकि लेंस एक तरह की परत की तरह काम करता है। इस कंडीशन को हाइपोक्सिया कहा जाता है। हाइजीन का ध्यान न रखने पर आंखों में कैरेटाइटिस इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। जो कॉर्निया को बुरी तरह नुकसान पहुंचाता है और कुछ मामलों में व्यक्ति को पूरी तरह से विजन लॉस तक हो सकता है।

**क्या करें:** चाहे कितनी भी थकान क्यों न हो, सोने से पहले कांटेक्ट लेंस जरूर निकालें। डॉक्टर की सलाह के अनुसार साफ करें और सही तरीके से सॉल्यूशन में स्टोर करें। लेंस पहनने-उतारने से पहले हाथों को अच्छी तरह धोएं। साथ ही नहाते या स्विमिंग करते समय कांटेक्ट लेंस न पहनें क्योंकि पानी में मौजूद बैक्टीरिया भी उतनी ही आसानी से आंख में इंफेक्शन फैला सकते हैं। भले ही कांटेक्ट लेंस देखने में कितने भी अच्छे क्यों न लगें, एक्सपायरी डेट खत्म होने के बाद उन्हें इस्तेमाल न करें।

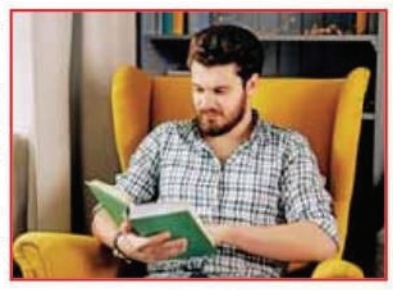

## बहुत कम या तेज रोशनी में पढ़ना

कम रोशनी में पढ़ने से आंखों को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है और जल्दी थकान महसूस हो सकती है। इसी तरह बहुत तेज या सीधे आंखों पर पड़ने वाली रोशनी भी असुविधा पैदा कर सकती है। इससे आंखों में तनाव और असहजता बढ़ सकती है।

**क्या करें:** पढ़ते या काम करते समय कमरे में पर्याप्त और समान रोशनी रखें। रोशनी सीधे आंखों में पड़ने के बजाय किताब या काम की जगह पर पड़े। रात में मोबाइल की तेज रोशनी में लंबे समय तक पढ़ने से बचें।

## रुटीन आई चेकअप ना करवाना

ज्यादातर लोग तभी डॉक्टर के पास जाते हैं, जब आंखों में धुंधला दिखना या दर्द होने जैसी कोई समस्या होने लगती है। लेकिन असली खतरा ग्लूकोमा जैसी बीमारियों से होता है, जिसे साइलेंट थीफ ऑफ साइट भी कहा जाता है। ग्लूकोमा चुपचाप बिना किसी दर्द या तकलीफ के आंखों को नुकसान पहुंचाता रहता है। जब तक व्यक्ति को कुछ महसूस होता है तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है। इसीलिए रेग्युलर आई चेकअप बहुत जरूरी है। रेग्युजर आई चेकअप व्यक्ति की आंखों की रोशनी बचा सकता है। बहुत से लोग सोचते हैं कि जब तक चश्मे का नंबर नहीं बदला तब तक डॉक्टर के पास जाने की कोई जरूरत नहीं। लेकिन यह सोच गलत है। आई एग्जामिनेशन सिर्फ नंबर चेक करने के लिए नहीं होता बल्कि उसमें आंखों के अंदर की प्रेशर, रेटिना की कंडीशन और नसों की सेहत भी देखी जाती है। जो सिर्फ मशीन के द्वारा एक्सपर्ट आइज स्पेशलिस्ट डॉक्टर ही देख सकते हैं।

**क्या करें:** साल में कम से कम एक बार आंखों की जांच जरूर कराएं। खासकर अगर आपके परिवार में किसी को पहले ग्लूकोमा, डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी रही है, तो आपके लिए यह जांच और भी जरूरी हो जाती है। क्योंकि इन बीमारियों का सीधा असर आंखों की सेहत पर भी पड़ता है। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

बुक शेल्फ
रेणु खंतवाल

# फिटनेस के लिए उपयोगी सूत्र

फिट इंडिया एंबेसडर और आईआरएस नरेंद्र कुमार यादव की किताब 'फिटनेस और भारत @ 2047' हाल ही में छपकर आई है। यह किताब फिटनेट के महत्व और उसकी जरूरत को बहुत व्यापक रूप में प्रस्तुत करती है। यह फिटनेस को राष्ट्र की जरूरत के रूप में देखने की सोच, नजरिया पेश करती है। किताब यह बताने का प्रयास करती है कि जब भारत 2047 में आजादी के 100 वर्ष मना रहा होगा, उस समय वह एक मजबूत राष्ट्र के रूप में तो होगा ही लेकिन क्या देश की जनता भी स्वस्थ शरीर के साथ राष्ट्र का नेतृत्व कर रही होगी?

जिस तरह लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों से हम घिरे हुए हैं, क्या एक कमजोर शरीर के साथ एक मजबूत सशक्त राष्ट्र की नींव रख सकते हैं? किताब यह संदेश देती है कि मजबूत देश के निर्माण का भागीदार बनने के लिए हमें अपने शरीर पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता भी होनी चाहिए।

किताब अच्छी लाइफस्टाइल पर सबसे ज्यादा जोर देती है। इसमें हेल्दी-फिट रहने के लिए कई ऐसे सूत्र दिए गए हैं, जिन्हें आसानी से अपना सकते हैं। जैसे- रोज अच्छी भरपूर नींद, संतुलित आहार युक्त थाली, रोज की वॉकिंग और प्रति सप्ताह न्यूनतम 150 मिनट मध्यम स्तर की शारीरिक गतिविधि को अनिवार्य बताया गया है। लेखक इस बात को बार-बार दोहराते हैं कि रोज का 24 मिनट का दैनिक व्यायाम, भविष्य की 240 घंटों की बीमारी को रोक सकता है। कुल मिलाकर यह किताब कई उदाहरणों और प्रसंगों के माध्यम से यह समझाने का प्रयास करती है कि आपका शरीर केवल आपका नहीं, राष्ट्र का भी है। व्यक्तियों से ही राष्ट्र बनता है और वही देश का निर्माण करते हैं। इसलिए यदि देश का हर नागरिक स्वस्थ होगा, तभी हम एक सशक्त राष्ट्र बनकर देश के विकास को स्वर्णिम अक्षरों में लिख सकते हैं। *

पुस्तकः फिटनेस और भारत @ 2047, लेखकः नरेंद्र कुमार यादव, मूल्यः 400 रुपए, प्रकाशकः प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

# मछुआरों को राहत

नई परंपरा, आश्वासन तथा नीली आर्थिकी के लिए हिमाचल सरकार ने मदद का पिटारा खोला है। मछुआरा सम्मान निधि की बजटीय घोषणा ने बिलासपुर में उस समय आकार लिया जब 1500 लोगों के खाते में प्रति मछुआरा 3500 रुपए की सहायता डाली गई। आज के मछुआरे कल के विस्थापित भी हैं, अतः ऑफ सीजन अपने कारोबार से महरूम लोगों को 3500 रुपए का अंशदान मददगार सिद्ध होगा। मछुआरों को लाइफ जैकेट के लिए पचास लाख तथा रॉयल्टी फीस घटा कर एक प्रतिशत कर दी गई है। सरकार मत्स्य आपूर्ति के लिए प्रशीतन वाहनों की खरीद पर 70 प्रतिशत सबसिडी भी दे रही है। जाहिर है मत्स्य आखेट को सरकार रोजगार व उद्योग की दृष्टि से देख रही है। दरिया और झीलों के ठिठुरते आंचल में मछलियों की तलाश का धंधा अब तक यूं ही चल रहा था, जबकि अब इसे ग्रामीण आर्थिकी का एक मुख्य संसाधन माना जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में तालाबों में मछली पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि ट्राउट फिशिंग के वैज्ञानिक तरीकों में पतली कूहल के बाद शाहपुर के धारकंडी इलाके में काफी तरक्की हुई है। बागबानी व डेयरी के बाद मत्स्य पालन की दिशा में कई प्रोत्साहन उपलब्ध हैं। पौंग व भाखड़ा डैम के अलावा कई कृत्रिम झीलों में यह व्यवसाय बढ़ा है और हिमाचल में मछली का व्यापार पड़ोसी राज्यों के अलावा दिल्ली तक हो रहा है। ऐसे में स्वरोजगार की दृष्टि से मिल रही तमाम सहूलियतें अब कारगर होने लगी हैं। इस व्यवसाय को और विस्तार देने की दृष्टि से युवाओं को खास ट्रेनिंग और वित्तीय प्रोत्साहनों की जरूरत रहेगी। हम पहले भी कई बार सुझाव दे चुके हैं कि प्रदेश में फिशरीज स्टडीज की दिशा में आगे बढ ?ा होगा। पौंग बांध की परिधि में नगरोटा सूरियां के कालेज को फिशरीज स्टडीज के राज्य स्तरीय केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। फिशरीज अध्ययन के माध्यम से युवा कई तरह का नवाचार कर सकते हैं, जबकि उद्योग की परिपाटी में कई उत्पाद तैयार करके बाजार का विस्तार हो सकता है। बिलासपुर से शुरूआत करते हुए मछुआरों के ह्यनो फिशरीज पीरियड पर सरकार ने मरहम लगाया है। करीब दो माह के विराम में मछुआरों की गतिविधियां शून्य हो जाती हैं, इसलिए आर्थिक मदद के नए हिसाब से कुछ तो राहत मिलेगी। अभी तो शुरूआत है, कल यह राशि बढकर जिंदगी की आवश्यकताओं में मछुआरा परिवारों की पूरी देखभाल कर पाएगी। ऐसे कई और भी धंधे हैं जहां उत्पादक को कुछ दिन विराम करना पड़ता है। हथकरघा उद्योग भी सर्दियों के बाद सुस्त हो जाता है तो शहद उत्पादन भी बीच-बीच में रुक जाता है। ऐसे में राहत के ऐसे क्षणों का व्यापक बंटवारा होना चाहिए। यह नया निवेश या स्थानीय निवेश है, जहां सरकार उत्पादन के पक्ष में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्मित कर सकती है। व्यापार मंडलों तथा औद्योगिक शहरों की भी कुछ ऐसी मांगें हैं, जहां सरकार के दखल से व्यापार आसान तथा शक्तिशाली हो सकता है। औद्योगिक परिसरों को ट्रक माफिया से निजात दिलाने का कोई खाका या कार्य योजना बने, तो निवेश का लाभ रोजगार तथा राज्य की कर अदायगी में बढ़ सकता है। इसी तरह व्यापार मंडलों के साथ सहयोग करके सरकार आर्थिकी को बढ़ावा, रोजगार को आसरा और बाजार की सुविधाओं में इजाफा कर सकती है। निवेश प्रोत्साहन के तहत रेहड़ी से दुकान और दुकान से शोरूम तक परस्पर सहयोग की एक परिपाटी व्यापारी वर्ग के साथ मिलकर शुरू की जा सकती है।

# क्यों जरूरी है एफसीआरए बिल

यदि एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियामक अधिनियम) संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचारार्थ भेजा जाता है, तो इसके साफ मायने हैं कि यह बिल लटक गया। बेशक जेपीसी में भाजपा-एनडीए सांसदों का बहुमत होगा और अध्यक्ष भी उन्हीं का होगा, लेकिन विमर्श, सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, प्रभावित क्षेत्रों-संगठनों के तर्क और पक्ष-विपक्ष की टकरावपूर्ण राजनीति के मद्देनजर बिल पर सम्यक विचार करने में 4-6 महीने का वक्त लगना स्वाभाविक है। जेपीसी की रपट के बाद भी संसद में सहमति बन पाएगी और बिल सहजता से पारित होगा, इसके आसार नगण्य हैं। इस कानून में संशोधन करना और उसे सख्ती से लागू करना इसलिए बेहद जरूरी है, क्योंकि एफसीआरए के जरिए देश की सुरक्षा, संप्रभुता, लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिशें जारी रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ दुराग्रही अभियान, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समर्थक पत्रकारिता-लेखन और नवजात कॉकरोच जनता पार्टी आदि को भी विदेशी पैसा मिलता रहा है। यह कोई छिपा हुआ रहस्य नहीं है, बेशक कोई कुछ भी स्पष्टीकरण देता रहे या दावे करे, लेकिन विदेशी फंडिंग मिलती रही है। अमरीका, ब्रिटेन के कौन से फाउंडेशन और संगठन भारत में देश-विरोधी हरकतों को पैसा दे रहे हैं, उनके ब्यौरे स्पष्ट हैं। भारतीय स्टेट बैंक और केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास तमाम रिकॉर्ड दर्ज हैं।

डाइट सजेशन
जास्मिन कौर
डाइटीशियन-एम्स, नई दिल्ली

आपके बच्चे हेल्दी, एनर्जेटिक रहें इसके लिए आप हर संभव प्रयास करते हैं। लेकिन इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप बच्चे को रेग्युलर न्यूट्रिशस डाइट दें। कैसी हो बच्चों की डाइट, जानिए।

# बच्चों को दें न्यूट्रिशस फूड रहेंगे हेल्दी-एनर्जेटिक

यह सही है कि बच्चों को पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, पोटैटो चिप्स, कैंडी जैसे स्नैक्स अपनी ओर ज्यादा आकर्षित करते हैं। ताजे फल या ताजे फलों के जूस के बजाय उन्हें पैक्ड जूस, फ्रूट ड्रिंक्स और सोडा लेना ज्यादा पसंद होता है। लेकिन इन सबके कारण कम उम्र में ही उनमें एनीमिया, तनाव, मोटापा, डिस्लीपेडिनिया यानी लिपिड और ब्लड कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखा जाए।

**दें हेल्दी मील्सः** बच्चों के साथ पूरा परिवार बैठकर ऐसी हेल्दी डाइट ले, जिसमें प्रचुर मात्रा में कैलोरीज और न्यूट्रीएंट्स मौजूद हों। इससे बच्चे में हेल्दी डाइट के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। पढ़ाई, खेल और अन्य एक्टिविटीज के बीच बच्चों को शॉर्ट मील्स लेने की आदत डालें। बच्चों को हर रोज तीन बार हेल्दी खाना और दो बार हेल्दी स्नैक्स दें, ताकि उनके शरीर को प्रचुर मात्रा में कैलोरीज मिल पाएं। स्कूल जाने वाले बच्चों के लंच बॉक्स में हेल्दी मील के अलावा दो शॉर्ट मील्स भी पैक करके दें। ताकि वह स्कूल की कैंटीन से अनहेल्दी फूड न ले।

**कैल्शियम युक्त डाइट जरूरीः** कैल्शियम, बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके लिए उनकी डाइट में संतरे का जूस, दूध, टोफु, केला, स्पिनेच, ब्रोकली, आलमंड चीज, कॉटेज चीज और योगर्ट शामिल करें। बींस, सोया फूड्स, टोफू, पीनट, बटर को फ्राई करने के बजाय बेक, बॉयल और ग्रिल्ड करके दें, इससे उनका बॉडी वेट कंट्रोल रहेगा।

**ताजे फल-सब्जियां हों ज्यादाः** बच्चों की आधी से ज्यादा खाने की प्लेट फ्रेश फलों और सब्जियों से भरी होनी चाहिए। ड्राई फ्रूट्स के बजाय उन्हें फ्रूट जूस दें। संभव हो तो ब्रोकली, स्पिनेच, रोमैन लेट्यूस और कोलार्ड ग्रीन्स जैसे डार्क ग्रीन वेजिटेबल्स के साथ-साथ गाजर, शकरकंद, विंटर स्क्वैश और रेड पेपर्स सब्जियां भी दें। ब्राउन राइस, होल व्हीट पास्ता, होल ग्रेन सीरीयल्स और ब्रेड समेत लो फैट डेयरी फूड्स भी डाइट में शामिल करें। मांसाहारी हों तो मछली, चिकन जैसे प्रोटीन युक्त फूड्स भी उनकी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

**फ्राइड नहीं रोस्टेड स्नैक्सः** फ्राइड के बजाय उन्हें रोस्टेड स्नैक्स खाने के लिए प्रेरित करें। टिंड फूड, टिंड पैक्ड फूड अवॉइड करें। उन्हें समझाएं कि जो भी खाएं फ्रेश खाएं। जंक फूड या फास्ट फूड में अधिक मात्रा में फैट (खासकर सैचुरेटेड फैट), अधिक मात्रा में नमक, चीनी मौजूद होते हैं। इससे वजन बढ़ने, हाई बीपी, कब्ज, थकान और ध्यान एकाग्र करने में परेशानी होती है। इससे बचने के लिए ऐसा भोजन उन्हें न दें। दांतों की समस्या से बच्चों को बचाने के लिए एनर्जी ड्रिंक्स के बजाय ताजे फल या फलों का ताजा जूस, नीबू का रस, लाइम या संतरा फ्लेवर चुनें।

**अनसैचुरेटेड फैटः** सोयाबीन, कनोला, ऑलिव और सनफ्लावर ऑयल में मौजूद अनसैचुरेटेड फैट हेल्दी होता है। रेड मीट में आयरन, एग योगर्ट, फोर्टिफाइड सीरीयल्स सहित ब्रेड को बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक स्वस्थ डाइट का केवल सात प्रतिशत हिस्सा सेचुरेटेड फैट, देसी घी, मक्खन वगैरह से आना चाहिए। इससे ज्यादा मात्रा स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। वहीं, मोनो अनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट का कॉम्बिनेशन बच्चों के विकास में मदद करता है इसलिए सनफ्लावर ऑयल में पका खाना खिलाना और खाने में उन्हें मूंगफली देना भी अच्छा है।

**नियमित व्यायाम जरूरीः** अच्छी डाइट के अलावा बच्चे हर रोज कम से कम एक घंटा शारीरिक श्रम, व्यायाम या आउटडोर गेम्स जरूर खेलें। जैसे कि दौड़, वॉकिंग, स्विमिंग आदि, इससे भी वे लगातार फिट रह सकते हैं। *

प्रस्तुतिः सुषमाश्री